नौकरी देने के नाम पर बेरोजगारों को... 2 | www.dainiksavera.in | 4 सर्वोच्च नेताओं की छवि और लोकतंत्र में...

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सवेरा

(इटावा से प्रकाशित)

वर्षः 42 | अंक : 148 | इटावा, मंगलवार, 21 जून, 2022 | पृष्ठ संख्या : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए | ई मेल : dainiksaveraa@gmail.com

संक्षिप्त खबरें...

गोपाल कृष्ण गांधी नहीं लड़ेंगे राष्ट्रपति चुनाव

नई दिल्ली,एजेंसी। जुलाई में देश को नया राष्ट्रपति मिलने वाला है। ऐसे में हर किसी की नजर राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवारों के नामों पर टिकी हुई है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। महात्मा गांधी के पोते गोपालकृष्ण गांधी ने राष्ट्रपति चुनावों के लिए उम्मीदवारी के विपक्ष के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। बता दें कि उनको मिलाकर अब तक विपक्ष के चार संभावित उम्मीदवारों ने विपक्षी पार्टियों का प्रस्ताव ठुकराया है। उन्होंने राष्ट्रपति पद के चुनावों के लिए उम्मीदवार के रूप में अपने नाम पर विचार करने के लिए विपक्षी नेताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए राष्ट्रीय आम सहमति बनानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कई और भी नेता होंगे जो इसे मुझसे बेहतर करेंगे।

प्रधानमंत्री को लेकर सहाय ने की विवादित टिप्पणी, कांग्रेस ने बयान से किया किनारा

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुबोधकांत सहाय ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि 'अगर वह हिटलर की राह चलेंगे तो हिटलर की मौत मरेंगे।' कांग्रेस ने उनके बयान से किनारा करते हुए कहा कि वह मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों से लड़ती रहेगी, लेकिन प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी से सहमत नहीं है। सहाय ने सेना में भर्ती की 'अग्निपथ' योजना और राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ के खिलाफ आयोजित कांग्रेस के 'सत्याग्रह' में यह विवादित टिप्पणी की। पूर्व केंद्रीय मंत्री सहाय ने कहा, "मोदी से आंख में आंख डालकर बात करने वाला कोई व्यक्ति है तो वह राहुल गांधी हैं। मोदी उन्हें गीदड़ भभकी से डराना चाहते हैं।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि झारखंड की सरकार गिराने के लिए केंद्र सरकार की ओर से रोजाना छापेमारी कराई जा रही है। सहाय ने आरोप लगाया, "यह लुटेरों की सरकार है। मोदी मदारी के रूप में इस देश में तानाशाह के रूप में आ गए हैं। मुझे तो लगता है कि उन्होंने हिटलर का सारा इतिहास पार कर लिया...मोदी हिटलर की राह चलेगा तो हिटलर की मौत मरेगा।

मोदी ने देशवासियों से योग दिवस को सफल बनाने की अपील की

नयी दिल्ली,एजेंसी। रक्षा सेवाओं में भर्ती की नयी "अग्निपथ योजना" के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देशवासियों से "अंतरराष्ट्रीय योग दिवस" को सफल बनाने की अपील की। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, "कल यानी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस बार यह आयोजन 'मानवता के लिए योग' की थीम के तहत होगा। आइए, हम सब मिलकर इसे सफल बनाएं एवं योग की लोकप्रियता को और बढ़ाएं।" प्रधानमंत्री ने यह ट्वीट हिंदी और अंग्रेजी सहित कई भारतीय भाषाओं में किया। मोदी आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले योग दिवस के मद्देनजर पिछले कुछ दिनों से लगातार योग के विभिन्न फायदों के बारे में ट्वीट कर रहे हैं। इस बार 21 जून को आठवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा।

अग्निपथ पर बवाल के बीच अग्निवीरों की भर्ती का नोटिफिकेशन जारी, जुलाई से कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन

आर्मी में 5 ग्रेड्स पर होगी अग्निवीरों की भर्ती

नयी दिल्ली,एजेंसी। सशस्त्र बलों की नई भर्ती 'अग्निपथ' योजना को लेकर भारतीय सेना ने सोमवार को नोटिफिकेशन जारी किया। भारतीय सेना के मुताबिक, अग्निपथ योजना के तहत जुलाई से होने वाली भर्ती रैली के रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा। इच्छुक आवेदक भारतीय सेना की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। केंद्र सरकार ने दशकों पुरानी रक्षा भर्ती योजना में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए सेना के तीनों अंगों में जवानों की भर्ती संबंधी अग्निपथ योजना की मंगलवार को घोषणा की थी, जिसके तहत जवानों की भर्ती 4 साल की अवधि के लिए संविदा आधार पर की जाएगी। योजना के तहत सेना के तीनों अंगों में इस साल करीब 46,000 जवान भर्ती किए जाएंगे। चयन के लिए

पहले पात्रता आयु साढ़े 17 वर्ष से 21 वर्ष के बीच तय की गई थी। बाद में अधिकतम आयुसीमा 23 वर्ष कर दिया गया। भर्ती के बाद सेना में शामिल युवाओं को अग्निवीर के नाम से जाना जाएगा। भारतीय सेना के लिए अग्निपथ योजना के तहत भर्ती रैली के लिए 8वीं और 10वीं पास युवा अप्लाई कर सकते हैं। इसके तहत 4 साल के लिए सेना में भर्ती हुए जवानों को अग्निवीर कहा जाएगा। इस योजना के तहत सेना में भर्ती होने के इच्छुक अभ्यर्थिकों के लिए भारतीय सेना ने गाइडलाइन्स भी जारी कर दी हैं। इसके बाद शाम को रक्षा मंत्रालय ने भी अग्निवीरों को अपने मंत्रालय में होने वाली भर्तियों में 10 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया है। रक्षा मंत्रालय के इंडियन कोस्ट गार्ड और डिफेंस सिविलियन पोस्ट के साथ डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग की 16 कंपनियों में भी नियुक्तियों में आरक्षण मिलेगा।

इन ग्रेड्स में होगी भर्ती

नोटिफिकेशन के मुताबिक, भर्ती के लिए रजिस्ट्रेशन जुलाई से कराए जा सकेंगे। सेना ने साफ किया कि अग्निवीर सेना में एक अलग रैंक होगी। ये मौजूदा किसी रैंक के साथ नहीं होगी। 5 ग्रेड में भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। ये ग्रेड हैं- अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर क्लर्क, अग्निवीर ट्रेड्समैन(10वीं पास), अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं पास)।

भारत बंदः 'अग्निपथ' के विरोध ने रोकी रफ्तार, 500 से ज्यादा ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली,एजेंसी। 'अग्निपथ' भर्ती योजना के विरोध में प्रदर्शन के कारण सोमवार को 500 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया गया। रेलवे ने एक बयान में कहा कि प्रदर्शन की वजह से 539 ट्रेनें प्रभावित हुईं। 529 ट्रेनें रद्द कर दी गईं, जिनमें 181 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें और 348 यात्री ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे ने चार मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को भी आंशिक रूप से रद्द कर दिया है। इतनी बड़ी तादाद में ट्रेनों के रद्द होने से यात्री काफी परेशान हैं। रेलवे ने बताया कि विरोध के मद्देनजर दिल्ली को जाने वाली 71 ट्रेनों को भी आज के लिए रद्द कर दिया गया है। पश्चिम रेलवे जोन की ट्रेन सेवाएं कल भी प्रभावित रहीं। केंद्र की नई अग्निपथ भर्ती योजना के विरोध में सोमवार को

कई राज्यों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और अन्य राज्यों सहित राज्यों ने पिछले सप्ताह हुई व्यापक हिंसा को देखते हुए सुरक्षा बढ़ाई गई है, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग केंद्र के फैसले का विरोध कर रहे हैं। भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में कनॉट प्लेस के निकट शिवाजी ब्रिज रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन को रोक दिया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने ट्रैक को साफ किया और करीब आधे घंटे के बाद ट्रेन की आवाजाही फिर से शुरू हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने कहा, 'सरकार को अग्निवीर योजना को वापस लेने की जरूरत है। युवा कांग्रेस इस देश में बेरोजगार युवाओं के लिए लड़ेगी जो देश की सेवा करना चाहते हैं।'

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांडः गोली चलाने वाले दो शूटर समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली,एजेंसी। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में सोमवार को बड़ी गिरफ्तारी हुई है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने शूटरों के मॉड्यूल हेड समेत दो मुख्य शूटर्स को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से बड़ी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने यह जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि इन दो गिरफ्तारियों के अलावा पुलिस ने एक अन्य को भी गिरफ्तार किया है। जाने-माने पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की 29 मई को पंजाब के मानसा जिले में हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने उन्हें गोलियों से छलनी कर दिया था। रिपोर्ट्स की मानें तो हमलावर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े थे। मूसेवाला हत्याकांड का मुख्य आरोपी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पंजाब पुलिस की गिरफ्त में है। पंजाब

भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

पुलिस 14 जून को लॉरेंस को गिरफ्तार कर एक दिन की ट्रांजिट रिमांड पर पंजाब ले गई थी। पंजाब पुलिस ने दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में दलील दी थी कि इस मामले की जांच के दौरान पता चला है कि लॉरेंस बिश्नोई सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता है और उससे हिरासत में पूछताछ जरूरी है।

सांगली के म्हैसाल गांव में परिवार ने खाया जहर, 9 की मौत

सांगली,एजेंसी। महाराष्ट्र के सांगली जिले में सोमवार को एक ही परिवार के 9 सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के

डॉक्टर दंपत्ति के एक कमरे से छह शव तो दूसरे कमरे से तीन शव मिले

मुताबिक घटना मिराज तालुका के म्हैसल में हुई है। सुसाइड करने वाला परिवार डॉ. माणिक यालप्पा वनमोर का बताया गया है। परिवार के सुसाइड करने की वजह अभी सामने नहीं आई है। शुरुआती छानबीन में घटना के पीछे वजह आर्थिक तंगी बताई जा रही है। बताते हैं कि फाइनेंशियल क्राइसिस के चलते परिवार तनाव में था और इसी वजह से सभी ने एक साथ जहर पीकर जान दे दी। मरने वालों में डॉ. माणिक येलप्पा वनमोर, अक्कताई वनमोर (मां), रेखा माणिक वनोरे

(पत्नी), प्रतिमा वनमोर (बेटी), आदित्य वनमोर (बेटा) और पोपट येलप्पा वनमोर (शिक्षक), अर्चना वनमोर (पत्नी), संगीता वनमोर (बेटी), शुभम वनमोर (बेटा) शामिल हैं। घटना से म्हैसल इलाके में हड़कंप मच गया। जिसे भी सूचना मिली वह घटनास्थल की तरफ रवाना हो गया। मौके पर पुलिस और लोगों की काफी ज्यादा भीड़ जुट गई। पुलिस ने कहा कि मिर्जा के सरकारी अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। सांगली जिले के पुलिस अधीक्षक दिक्षित गेदम के मुताबिक नौ में तीन लाशें एक ही जगह पर पाई गई हैं। वहीं छह अन्य लाशें घर के अलग-अलग हिस्सों में थीं। मरने वालों में चार महिलाएं और पांच पुरुष हैं।

पर्यटकों से भरी केबल कार ट्रॉली बीच हवा में फंसी, सभी पर्यटकों को सुरक्षित बचाया

नई दिल्ली,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में बीच हवा में ही पर्यटकों की जान अटक गई है। दरअसल यहां पर्यटक केबल कार ट्रॉली में सवार थे और यह ट्रॉली बीच हवा में ही फंस गई है। जानकारी के मुताबिक, परवाणु टिंबर ट्रेल (केबल कार) में तकनीकी दिक्कत आने की वजह से 15 पयर्टक हवा में फंस गए। सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया है। केबल कार ट्रॉली से सुरक्षित निकलने के बाद पर्यटकों ने रेस्क्यू टीम का आभार व्यक्त किया। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव ओंकार चंद शर्मा ने कहा कि 2 केबल कारों में कुल 15 लोग फंसे थे। 4 लोग ऊपर और 11 लोग नीचे की पहाड़ी के पास फंस गए थे। प्रथम चरण में 4 लोगों को बचाया गया। 11 लोग निचली पहाड़ियों के ट्रॉली में फंसे थे। इनमें से 7 लोगों को बचा लिया गया है और 4 लोगों को थोड़ी देर में निकाल लिया जाएगा। न्यूज एजेंसी एएनआई ने जो वीडियो ट्वीट किया है उसमें नजर आ रहा है कि ट्रॉली बीच हवा में लटकी हुई है। बचाव कार्य जारी है। एक शख्स को रस्सी के सहारे नीचे उतारा जा रहा है। कसौली के एसडीएम धनबीर ठाकुर ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच रही है। बताया जा रहा है कि जो लोग फंसे हुए थे उनमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। तकनीकी खामी के वजह से यह केबल कार बीच रास्ते में अटक गई है और इस वजह से परेशानी आई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि सभी पर्यटक डेढ़ घंटे से ज्यादा समय से वहां फंसे हुए हैं।

अग्निपथ पर सुनहरे भविष्य के अवसरों के अनेकानेक मार्गः योगी

लखनऊ,ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को युवाओं से कहा कि अग्निपथ वह पथ है जहां पहुंचकर सुनहरे भविष्य के अवसरों के अनेकानेक मार्ग नजर आएंगे। गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए योगी ने कहा कि जीवन तो सभी जीते हैं लेकिन उसका जीवन सर्वाधिक सम्मानीय हो जाता है जिसे प्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र की सुरक्षा में रत होकर सेवा का अवसर मिलता है। मां भारती की सेवा करने का सौभाग्य विरलों को मिलता है। युवावस्था की दहलीज पर चार साल मान, सम्मान, स्वाभिमान व आर्थिक स्वावलंबन के साथ पूरी जाबांजी से देश की सेवा, इसके बाद सेना-अर्द्धसैनिक बलों, नागरिक पुलिस समेत केंद्र व राज्य सरकार के

अनेकानेक विभागों में सेवायोजन और करीब 12 लाख रुपये की अपनी बचत पूंजी व सरकार के अनुदानित ऋण से स्वरोजगार के व्यापक अवसर युवाओं के पास होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार का विरोध करने वाले राजनीतिक दल इस अति महत्वपूर्ण और अवसरप्रदायी योजना का तथ्यहीन और तर्कहीन प्रलाप कर देश के नौजवानों को बरगला रहे हैं जबकि देश की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले सेना के वर्तमान और पूर्व सैनिक-अधिकारी इसे अभूतपूर्व कदम मान रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि यह कहना कि अग्निवीरों को भविष्य असुरक्षित रहेगा, वह चार साल की सेवा के बाद किसी काम लायक नहीं रह जाएंगे, समाज के लिए खतरा बन जाएंगे, क्षुद्र विचार है।

छात्रों को हिंसा के लिए भड़काने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेंगेः एडीजी

लखनऊ,ब्यूरो। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा कि अग्निपथ योजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को भड़काने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। सरकार की तरफ से युवाओं को इस योजना के बारे में समझाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों को असामाजिक तत्वों व कुछ राजनीतिक लोगों ने उकसाया जिससे कि हिंसा हुई है। ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को अग्निपथ योजना के खिलाफ भारत बंद का आह्वान किया गया था। एडीजी ने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सिविल पुलिस के अलावा 141 कंपनी पीएसी और 10 कंपनी सीएपीएफ तैनात की गई है। अभी तक कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। भारत बंद का असर यूपी में नहीं दिख रहा है।

असम में बाढ़ में फंसे लोगों की मदद के लिए गये थाना प्रभारी समेत 2 पुलिसकर्मी तेज बहाव में बहे, शव बरामद

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के नगांव जिले में बाढ़ में फंसे लोगों की मदद करने के लिए गए एक पुलिस थाने के प्रभारी समेत दो पुलिसकर्मी पानी के तेज बहाव में बह गए और उनके शव सोमवार को बरामद किए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य के विशेष पुलिस महानिदेशक जी पी सिंह ने बताया कि कामपुर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी सैम्युजल काकोती ने रविवार देर रात को बाढ़ के बारे में सूचना मिलने के बाद चार पुलिस कर्मियों को लेकर नौका से पचोनिजार मधुपुर गांव पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मी के बाढ़ के पानी से उफनती नदी में गिर गए और तेज बहाव में बह गए। दो पुलिसकर्मियों को बचा लिया गया और एसडीआरएफ कर्मियों ने दो के शव बरामद किए। इनमें से काकोती

का शव कई घंटों की तलाश के बाद सोमवार को तड़के निकाला गया। अन्य पुलिसकर्मी की पहचान राजीव बोरदोलोई के रूप में की गयी है। सिंह ने कहा, 'हम सब-इंस्पेक्टर सैमुजल काकोती और कांस्टेबल राजीव बोरदोलोई के साहस एवं वीरता को सलाम करते हैं। उनका निस्वार्थ कृत्य असम पुलिसकर्मियों की भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा रहेगा। उन्होंने कहा, 'हम दुख की इस घड़ी में अपने कर्मियों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं और बहादुर पुलिसकर्मियों द्वारा दिखाए गए साहस को सलाम करते हैं। असम में बाढ़ से नगांव जिला बुरी तरह प्रभावित है और कामपुर में कोपिली नदी में बाढ़ से 3,64,459 लोग प्रभावित हुए हैं।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का अहम फैसला, 16 साल की मुस्लिम लड़की मर्जी से शादी को स्वतंत्र

चंडीगढ़,एजेंसी। मुस्लिम लडकियां अब 16 बरस की होते ही अपनी पसंद के लड़के से शादी कर सकती हैं। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक मामले पर सुनवाई करते हुए यह बात कही है। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी उस समय की है जब 16 साल की एक लड़की ने अपने 21 साल के पति के साथ रहने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। साथ ही हाईकोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि 16 साल की इस लड़की को पति के साथ रहने के लिए जरूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाए। दरअसल, एक मामले में 16 साल की एक मुस्लिम लड़की ने घर वालों की मर्जी के बिना निकाह के बाद अपनी सुरक्षा को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में अर्जी लगाई थी। उसी अर्जी को मंजूर करते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस जसजीत सिंह बेदी ने यह फैसला सुनाया है। उनकी तरफ से पठानकोट के एसएसपी को 16 वर्षीय लड़की को पति के साथ रहने के लिए जरूरी सुरक्षा मुहैया कराने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस लड़की ने अपनी याचिका में बताया कि उन्होंने 8 जून को इस्लामिक रीति से 21 साल के लड़के से निकाह किया था। लेकिन दोनों के घरवालों से ही उनकी जान को खतरा है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस बेदी ने अपने फैसले में मुस्लिम पर्सनल लॉ पर लिखी दिनशाह फरदून जी मुल्ला की किताब का हवाला भी दिया। जानकारी के मुताबिक इस कपल ने भी अपने वकील के माध्यम से तर्क दिया कि मुस्लिम कानून में प्यूबर्टी और बालिग एक समान हैं।

अग्निपथ पर विवाद के बीच बोले पीएम नरेंद्र मोदी

कुछ सुधार शुरुआत में खराब लगते हैं

बेंगलुरु,एजेंसी। देश में अग्निपथ स्कीम को लेकर छिड़े विवाद के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ फैसले और सुधार भले ही शुरुआत में खराब लगते हैं, लेकिन लंबे वक्त में उनसे देश को फायदा होता है। माना जा रहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी की यह टिप्पणी अग्निपथ स्कीम को लेकर है। बता दें कि इस स्कीम पर विवाद छिड़ा हुआ है। बिहार, यूपी, हरियाणा, राजस्था और एमपी समेत देश के कई राज्यों में युवा इसका विरोध कर रहे हैं। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में कई विकास योजनाओं की लॉन्चिंग के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कई फैसले और सुधार तात्कालिक रूप से अप्रिय लग सकते

हैं, लेकिन लंबे समय में उसके लाभ देश अनुभव करता है। हमने स्पेस और डिफेंस जैसे कई सेक्टर्स को देश के युवाओं के लिए खोल दिया है, जिनमें दशकों तक सरकार का ही एकाधिकार था। आज हम देश के युवाओं से कह रहे हैं कि सरकार ने जो वर्ल्ड क्लास सुविधाएं बनाई हैं, उनमें अपने विजन और प्रतिभा को टेस्ट करें। हम दुनिया के साथ तभी मुकाबला कर पाएंगे, जब सभी को समान अवसर दिए जाएं। पीएम नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जिन कामों को 40 साल पहले पूरा हो जाना था,

मोदी बोले- हमने रेलवे के अनुभव को पूरी तरह बदल दिया है

उन्होंने कहा कि बीते 8 सालों में हमने रेलवे के अनुभव को पूरी तरह बदल दिया है। अब भारतीय रेल तेज भी है, स्वच्छ भी है और आधुनिक भी हो रही है। इसके अलावा सुरक्षित भी है और सिटिजन फ्रेंडली भी हो रही है। हमने देश के उन हिस्सों में भी रेल को पहुंचाया है, जहां इसके बारे में सोचना तक मुश्किल था। कर्नाटक में भी 1,200 किलोमीटर से ज्यादा की रेल लाइन या तो नई बनी है या फिर विस्तार हुआ है। अब हवाई यात्रा और एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं अब रेलवे भी दे रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि बेंगलुरु के एम. विश्वेश्वरैया रेलवे स्टेशन पर तो लोग पर्यटन के लिए जाते हैं। यहां तक कि युवाओं में तो सेल्फी की होड़ रहती है।

प्राइवेट सेक्टर को गलत मानने वालों को माइंडसेट बदलने की सीख देता है बेंगलुरु

कोरोना के समय बेंगलुरु में बैठे युवाओं ने पूरी दुनिया को संभालने में मदद की है। बेंगलुरु ने दिखा दिया है कि यदि सरकार अवसर दे तो भारत का युवा क्या नहीं कर सकता है। बेंगलुरु देश के युवाओं के सपनों का शहर और इसके पीछे उद्यमशीलता और इनोवेशन है। बेंगलुरु उन लोगों को अपना माइंडसेट बदलने की सीख भी देता है,

संक्षिप्त समाचार

चाकूबाजी में बाप-बेटों पर मुकदमा

फतेहपुर (दैनिक सवेरा)। चाकूबाजी में पुलिस ने घायल की तहरीर पर बाप-बेटों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के जिगनी गाँ व मे 14 जून को बच्चों के विवाद को लेकर हनीफ, जालिम, आलिम, हारिस ने पड़ोस के मो कैफ के साथ मारपीट की। घर आकर आपबीती युवक ने पिता अख्तर को बताई। पिता आरोपियों के यहां उलाहना देने गए तो आरोपियों ने गाली गलौज कर उनपर लाठी डंडे और चाकू से हमला कर दिया। जिससे उनका हांथ कट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले की शिकायत पीड़ित ने कोतवाली में की। कोतवाल रवींद्र श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

टावर चोरी करने पर पांच के खिलाफ मुकदमा

फतेहपुर (दैनिक सवेरा) । ट्रांसमिशन लाइन के टावर काटकर चोरी किए जाने के मामले में पुलिस ने वाहन मालिक समेत 5 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है पुलिस मामले की जांच कर रही है। साउथ ईस्ट यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कर्मचारी अमरजीत सिंह ने बताया कि बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के लालपुर, पंछी का हाता में कंपनी के लगाए गए चार टावर और मैटेरियल काबुल अहमद और उसके अन्य साथी चुरा ले गए हैं। चोरी का सामान लादने के लिए आरोपियों ने खुरमबाद के एक ट्रैक्टर को किराए पर लिया था। मामले की शिकायत कोतवाली में की। कोतवाल रवींद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पुलिस अधीक्षक ने सीओ को दी विदाई

फतेहपुर। बिंदकी सर्किल के पुलिस उपाधीक्षक योगेंद्र सिंह मलिक का स्थानान्तरण अलीगढ़ जनपद की अभिसूचना इकाई में

होने पर सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें एसपी समेत अन्य पुलिस कर्मियों ने स्थानान्तरित सीओ को विदाई देकर उन्हें पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिन्ह भेंटकर उज्जवल भविष्य की कामना की। पुलिस उपाधीक्षक बिंदकी रहे योगेंद्र सिंह मलिक को विदाई देते हुए एसपी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग में स्थानान्तरण एक प्रक्रिया है जिससे सभी को समय-समय पर गुजरना पड़ता है। उन्होने सीओ योगेंद्र सिंह मलिक के कार्यकाल की जमकर सराहना की। एसपी ने कहा कि शासन ने उनका स्थानान्तरण अलीगढ़ अभिसूचना इकाई में किया है। उन्होने उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्थानान्तरित सीओ ने साथियों का आभार जताते हुए कहा कि इस जनपद में गुजारे गए पल उन्हें हमेशा याद रहेंगे। उन्होने अधीनस्थों का आहवान किया कि ड्यूटी के प्रति ईमानदार रहें। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर दिनेश चंद्र मिश्र, क्षेत्राधिकारी जाफरगंज अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी थरियांव प्रगति यादव, सदर कोतवाली प्रभारी अमित मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक प्रशिक्षणाधीन सौरभ सामंत समेत कर्मचारी मौजूद रहे।

युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत डायनेमिक डीएम किताब : अमन दीप सचान

फतेहपुर। जीवन सत्यता को संजोकर लिखे गए, अल्फाज हैं, किताबें, किताबे जीवन जीना व संघर्ष करना सिखाती है, डीएम से लेकर डायनामिक डीएम बनने तक का सफर जिस प्रकार डॉक्टर हीरालाल ने तय किया, यह किताब उनके अनुभवों को साझा करती है, वहीं इस किताब का अध्यन कर इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र अमन दीप सचान ने बताया कि यह किताब युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है, इस किताब में डॉ हीरालाल जी ने अपने जनपद बांदा में जिलाधिकारी के अनुभवों को किताब के माध्यम से साझा किया है, किताब में जिला प्रशासन के विभिन्न पहलुओं को जिसमें राजस्व वसूली, शांति व्यवस्था, विकास के कार्यक्रम, अवस्थापना सुविधाएं, कल्याणकारी योजनाएं, आपदा प्रबंधन, प्रोटोकॉल आदि भिन्न-भिन्न विषय सम्मिलित है, उन्होंने अपनी क्षमता एवम् अनुभवों के आधार पर अधिकारियों को नेतृत्व प्रदान किया, डॉक्टर साहब के द्वारा बांदा जिले में चलाया गया पानी की समस्या और समाधान, महिला विकास, नेकी की दीवार व मॉडल गांव अभियान बुंदेलखंड के लिए बहुत ही कारगर साबित हुए हैं, यह किताब डॉक्टर साहब के प्रारंभिक जीवन को भी दशार्ती है, फर्श से अर्श तक का सफर करना कोई डॉक्टर साहब से सीखे, यह किताब डॉक्टर साहब के अनुभवों से न केवल युवा सिविल सेवा के लिए व अधिकारी भी प्रेरित होंगे, बल्कि सामान्य जनमानस व हितग्राहियों को भी डॉ. हीरालाल, आईएएस की तमाम चुनौतियों का आभास होगा, देश के युवाओं को यह किताब पढ़नी चाइए, जो युवा सिविल सर्विस के माध्यम से देश सेवा करना चाहते है, वह इस किताब जरूर पढ़े।

फेल होने पर छात्र ने खाया नशीला पदार्थ, मौत

खागा, फतेहपुर। हथगाम थाना की चैकी छिउलहा अन्तर्गत जनता इंटर कॉलेज के एक छात्र ने फेल होने के कारण नशीला पदार्थ खा लिया जिससे उसकी उपचार दौरान मौत हो गई मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया और परिजनों ने युवक का अंतिम संस्कार गांव में कर दिया। खागा तहसील क्षेत्र के हथगाम थाना की चैकी छिउलहा अन्तर्गत नवाबगंज गांव निवासी सत्यम उम्र लगभग 17 वर्ष पुत्र रोहन लाल पटवा की नशीला पदार्थ खाने से दर्दनाक मौत हो गयी। बताया जाता है कि छात्र छिउलहा जनता इंटर कॉलेज का 12वीं का छात्र था और रविवार की शाम समय लगभग 3 बजे नवाबगंज चैराहे से किसी दुकान से नशीला पदार्थ की दो पुड़िया लेकर आया था । और घर में जाकर एक पुड़िया खा कर सो गया था।और दूसरी पुड़िया पैंट की जेब में रख लिया था। जब ज्यादा नशा महसूस होने लगा तो सत्यम ने घर वालों से बताया था। तभी घर वालों ने आनन-फानन में निजी वाहन से फतेहपुर उपचार हेतु प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां पर सोमवार को उपचार दौरान मौत हो गयी थी। वहीं परिजनों का कहना है कि सत्यम इंटरमीडिएट की परीक्षा दिया था ।और पढ़ने लिखने में अच्छा था ।लेकिन इंग्लिश के पेपर में कम नंबर होने के कारण फेल हो गया था। फेल होने पर दिमाग में टेंशन रहने लगा था। टेंशन में आकर उसने नशीला पदार्थ खा लिया था। जिससे रात्रि में तबीयत ज्यादा बिगड़ने के कारण फतेहपुर में भर्ती कराया गया था। लेकिन कोई सुधार ना होने के कारण उपचार दौरान मौत हो गई थी।

नौकरी देने के नाम पर बेरोजगारों को ठगने और लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास

- बंधक बने युवक ने पुलिस के सामने खोली कंपनी की पोल
- युवक की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट, तीन गिरफ्तार

फतेहपुर (दैनिक सवेरा)।। नौकरी के नाम पर बेरोजगारों को ठगने और लालच देकर धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। वाराणसी के एक युवक को नौकरी का झांसा देकर फतेहपुर बुलाया गया। उसके बाद धर्म परिवर्तन के लिए उसे प्रेरित किया गया है। विरोध करने पर बंधक बनाए रखा। किसी तरह रविवार शाम पुलिस के पास युवक पहुंचा। जिसके बाद कंपनी संचालक समेत सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।वाराणसी के सिगरा थानाक्षेत्र के हबीबपुरा चंदुआ निवासी सुधांशू चौहान ने एफआईआर में बताया कि उसके मोबाइल पर अरमान अली निवासी जिला गाजीपुर ने 14 जून को फोन किया था। उसकी ट्रांसपोर्ट कंपनी में 15 हजार रुपये प्रतिमाह के हिसाब से नौकरी लगने की बात कही। वह लालच में अरमान अली के बताए पते पर 16 जून को फतेहपुर आबकारी कार्यालय के पास पहुंचा। उसे अरमान अली तुराबअली का पुरवा ले गया और रात रोकवाई। दूसरे दिन अरमान उसे एक मुस्लिम युवक के साथ लखनऊ बाईपास स्थिति मार्केटिंग कंपनी के आफिस ले गया। उससे एक हजार रुपये लिए और रजिस्ट्रेशन की बात कही। उसके बाद घरवालों से रहने और खाने का 10 हजार रुपये मंगवाया। दबाव में आकर उसने गूगल पे से रुपये मंगाकर दिए। वह 17 जून को ऑफिस पहुंचा। जहां से मोहसीन, यासीन उसे और करीब 20 हिंदू लड़कों को 30 से 40 मुस्लिम लोगों के साथ एक मदरसे में ले गए। मदरसे में बताया कि वह लोग उनके अनुसार चलेंगे तो हर महीने एक से दो लाख रुपये कमा सकते हैं। उसके बाद एक सेमिनार हुआ। उसमें वक्ताओं ने संगठन से जुड़कर रुपये कमाने की बात कही। जिसके बाद 19 जून की सुबह करीब साढ़े छह बजे करीब 50 हिंदू और 100 मुस्लिम लड़कों के साथ उसे भी एक मस्जिद ले गए। मस्जिद में एक मौलवी ने मुस्लिम धर्म अपनाने और प्रचार प्रसार की बात कही। एक हफ्ते ट्रेनिंग के बाद रुपये मिलने की बात कही। मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए मजबूर करने लगे। मकान मालिक अलीम ने भी धर्म परिवर्तन की को कहा। वह इन लोगों से भयभीत हो गया। विरोध करने पर एक कमरे में उसे बंधक बना लिया। उनकी क्रियाकलापों से साफ हुआ कि सामूहिक रुप से मुस्लिम धर्म के मौलवियों के द्वारा धर्म परिवर्तन की साजिश रची जा रही है। वह किसी तरह से जान बचाकर पुलिस तक पहुंचा। सुधांशू की तहरीर पर पुलिस ने कंपनी के हेड एकलाख, यासीन, मकान मालिक अलीम, मोहसीन, मौलवी, अरमान अली और उसका एक अज्ञात मुस्लिम साथी के खिलाफ पुलिस ने बंधक बनाने, धर्म परिवर्तन, फ्राड की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने छापमारी कर मोहसीन अंसारीनिवासी मनिहारी थाना फतेहगढ़ जिला फरुर्खाबाद, यासीन मंसूरी निवासी बहादुरगंज थाना मऊ दरवाजा जिला फरुर्खाबाद, मकान मालिकमोहम्मद अलीम को गिरफ्तार किया है। यह सभी लोग अलीम के हाते में शहीद गार्डन तुराबअली का पुरवा में रहते हैं। सीओ सिटी डीसी मिश्रा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

सकुशल लड़की बरामद करने की उठाई मांग

फतेहपुर। बिंदकी कोतवाली के उरदौली फरीदपुर चैराहा के रहने वाले कमलेश पटेल पुत्र राम सजीवन पटेल ने जिलाधिकारी के नाम दिए गए शिकायती पत्र में कहा की उनकी भतीजी जिसकी उम्र 17 साल है। 16 मई को सुबह टहलने के लिए निकली थी, लेकिन उसके बाद वह घर नहीं पहुंची।

इन लोगों ने आरोप लगाया कि बिंदकी कोतवाली में तथाकथित व्यक्ति के नाम मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। लेकिन अभी तक पुलिस के द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। ना ही उनकी भतीजी अभी तक बरामद की गई है। इन लोगों ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी करके उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग किया और सकुशल लड़की को बरामद करने के लिए भी आवाज उठाई। इस अवसर पर सरोज देवी, नीतू पटेल, सरदारपुर ग्राम प्रधान कृष्णा प्रधान, आरती पटेल, उषा पटेल, रेखा पटेल, ललिता सचान, प्रशांत पटेल, हर्ष पटेल, रुद्र शुक्ला, विमल पटेल, राजा पटेल, राम शंकर पटेल, शैलेंद्र पटेल, अर्पित दुबे, अजय पटेल सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस प्रशासन ने रेलवे स्टेशन में किया भ्रमण

फतेहपुर। केंद्र सरकार की सेनाभर्ती योजना अग्निपथ के विरोध में बुलाये गये बन्द को लेकर पुलिस व प्रशासन एलर्ट रहा। पुलिस अधीक्षक राजेंश कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार व उपजिलाधिकारी नन्द प्रकाश मौर्या, क्षेत्राधिकारी नगर दिनेश चन्द्र मिश्रा ने रेलवे स्टेशन का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था परखी इस दौरान जीआरपी व आरपीएफ प्रभारियों को उपद्रव व किसी भी तरह के प्रदर्शन होने की स्थिति में सतर्कता बरतने के निर्देश दिये गये। वही रेलवे से जुड़ी अन्य सम्पत्तियो को लेकर भी सुरक्षा बरतने के निर्देश दिये गये। सोमवार को सेनाभर्ती योजना अग्निपथ को लेकर कई संगठनों द्वारा बुलाये गये भारत बन्द को लेकर पुलिस प्रशासन एलर्ट रहा। प्रदर्शन एव उपद्रव जैसी स्थिति को देखते ही सभी चैराहो पर जगह जगह पुलिस बल मुस्तैद रहा। कई राज्यो में प्रदर्शन के दौरान रेलवे स्टेशन समेत रेल की सम्पत्तियो को निशाना बनाये जाने की घटना से सबक लेते हुए पुलिस व

प्रशासन कही कोई कमी नही छोड़ना चाहता। पुलिस अधीक्षक राजेंश कुमार सिंह व उपजिलाधिकारी ने भारी पुलिस बल व दंगा नियंत्रित बलो के साथ रेलवे स्टेशन परिसर का दौरा कर सुरक्षा की समीक्षा की। अग्निथन योजना के जरिए सेना में होने वाली अग्निवीरो की भर्ती के विरोध में कई संगठनों ने भारत बन्द का आवाहन किया था। बंद को देखते हुए पूरे जिले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम दिखे चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल मुस्तैद रहा स्टेशन रेलवे, बस स्टॉप समेत तमाम चैक चैराहों पर पुलिस की मुस्तैद रही। हालांकि जनपद मे बंद का कुछ खास असर होता नहीं रहा है सभी दुकानें एव प्रतिष्ठान रोज की तरह खुले रहे। बाजारो समेत सभी जगह जनजीवन पूरी तरीके से सामान्य रहा। अन्य प्रान्तों समेत यूपी के कई जनपदों में अग्नीपथ योजना के विरोध में लगातार हो रही घटनाओं को लेकर जिले में भी प्रशासन मुस्तैदी बरतने में लगा हुआ है। सदर के साथ साथ खागा, बिंदकी की तहसीलों में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। शहर में चैराहो पर जहा भारी पुलिस बल कई दिनों से तैनात है वही रेलवे स्टेशन पर पीएसी के साथ-साथ आरपीएफ जीआरपी व पुलिस के जवान भारी संख्या में मुस्तैद है। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की बाबत अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि जनपद में कहीं किसी तरह की कोई चूक की संभावना नहीं है अराजक तत्वों की निगरानी के लिये पुलिस बल सतर्क है किसी भी तरह का उपद्रव करने एव सरकारी एव निजी सम्पत्तियो को नुकसान पहुचाने व कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालो को बख्शा नही जायेगा अवांक्षित तत्वों पर कार्रवाई की जायेगी।

हवन पूजन के साथ प्लाइवुड शोरूम का उद्घाटन

फतेहपुर। शहर के राधा नगर गाजीपुर बस स्टॉप के पास जे यस टिंबर एंड प्लाइवुड शोरूम का उद्घाटन विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ हवन पूजन करके किया गया।

शोरूम के संचालक राहुल राज सिंह,अंशुल सिंह, शिवराज सिंह ने बताया कि हमारे यहां लकड़ी के फ्रेम, सागौन के फ्रेम, खिड़की दरवाजे सहित डिजाइन युक्त फर्नीचर बनाए जाते हैं। उन्होंने बताया हमारे शोरूम में तरह-तरह की डिजाइनें रखी हुई है जिनको देख कर लोग आधुनिक तरीके से फिल्मी स्टाइल के दरवाजे बनवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आर्डर देकर समय पर कार्य पूर्ण करके फर्नीचर दिये जाएंगे। इस

अवसर पर अमित ठाकुर, रानू ठाकुर, विक्रम सिंह, अमित सिंह, प्रदीप राज सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

नर्स की नौकरी दिलाने के नाम पर रिस्तेदार ने की साढ़े आठ लाख की ठगी

फतेहपुर (दैनिक सवेरा)। युवती को नर्स की नौकरी दिलाने के नाम पर एक रिश्तेदार ने युवती के पिता से लाखों रुपयों की ठगी कर ली। मामले में पुलिस ने एसपी के आदेश पर आरोपी रिस्तेदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के डीघ गाँव निवासी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि उसकी पुत्री जीएनएम का डिप्लोमा किये हुए है। मलवां थाना क्षेत्र के चंदैनी में रहने वाले रिस्तेदार अजय सिंह ने बताया कि जुलाई 2021 में नर्स की भर्ती निकली है। उसके कई मंत्रियों से अच्छे संबंध है। वह उसकी पुत्री को नर्स की नौकरी में लगवा सकता है। बदले में साढ़े आठ लाख रुपयों की मांग की। पीड़ित रिस्तेदार के झांसे में आ गया। उसने 16 सितंबर 2021 को एक लाख पचास हजार रुपया नगद दे दिया। शेष रकम किश्तों में देने को कहा। एक माह बाद 4 अक्टूबर 2021 को पीड़ित ने अपने मित्र के खाते से 90000 रुपया अजय सिंह के खाते में ट्रांसफर कराया। 12 अक्टूबर 202क को दीक्षा सिंह के खाते से 2 लाख रुपया, 17 नवम्बर 2021 को अभय सिंह के खाते से साढ़े तीन लाख रुपया और 23 नवम्बर को 60 हजार रुपया अजय सिंह के खाते में ट्रांसफर करवाया। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब पुत्री की नौकरी नहीं लगी तो पीड़ित ने अजय सिंह से बात करने पर वह टाल मटोल करता रहा। 4 जून 2022 को पीड़ित अजय सिंह के घर पहुंचा और अपना रुपया वापस मंगा। आरोपी ने रुपया देने से इनकार कर दिया। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने मामले की शिकायत एसपी से की। कोतवाल रवींद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में एसपी के आदेश पर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन व धमकी का मुकदमा दर्ज किया है।

दुकान में ताला डालने और रंगदारी मांगने पर चार नामजद समेत 12 महिलाओं पर मुकदमा

फतेहपुर (दैनिक सवेरा)। मारपीट कर दुकान मे कब्जा करने और परिवार से रंगदारी मांगने पर पुलिस ने चार नामजद समेत 12 महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के वीआईपी रोड निवासी शारदा देवी ने आरोप लगाया कि उसके मोहल्ले की रहने वाली पूजा लोधी, गायत्री देवी, रिया लोधी आएदिन उसे और उसके परिवार को परेशान करती थी। मोहल्ले में रहने के लिए गुंडा टैक्स की मांग करती है। न देने पर जान से मारने की धमकी देती है। 26 अप्रैल को इन आरोपी महिलाओं ने मारपीट कर दुकान में जबरन ताला डाल दिया। 14 जून 2022 को पूजा लोधी, निहारिका श्रीवास्तव, गायत्री लोधी, रिया लोधी अपने 12 महिला साथियों के साथ घर पर आकर उसके पुत्र विकास और अन्य परिवारीजनों को लात घूंसों लाठी डंडों से मारा पीटा और दुकान में ताला डाल दिया। दुकान खोलने पर झूठे केस में फसाने की धमकी दी। पीड़िता ने मामले की शिकायत कोतवाली में की। कोतवाल अमित मिश्रा ने बताया कि मामले में आरोपियों के खिलाफ बलवा, मारपीट, रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज किया है। मामले में जांच बाद कार्रवाई की जाएगी। वहीं पूजा लोधी ने बताया कि उनके ऊपर लगाए गए आरोपी फर्जी है। महिला ने उनकी जमीन पर कब्जा कर रखा है। जितनी जमीन उनको बेंची गई थी उससे ज्यादा पर मकान का निर्माण करा दिया है। अवैध कब्जे को हटाने के लिए वह लोग महिला के पास गए थे। इसकी शिकायत भी पुलिस से की गई थी।

अवैध गुमटी में होटल चलाने का आरोप

फतेहपुर। मलवां थाना के ग्राम सूपा की रहने वाली यासमीन पत्नी मोहम्मद आलम तथा शमा बेगम पत्न ी मोहम्मद यासनी खान ने उपजिलाधिकारी के नाम दिए गए शिकायती पत्र में कहा कि प्रार्थिनी के गांव के कुछ लोग कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध गुमटी में होटल चला रहे हैं, जिसमें तमाम अराजक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। वही गांव की बहन बेटियों से छींटाकशी भी करते हैं। जिसके कारण गांव की बहन बेटियों का घर से निकलना दूभर हो गया है। इन लोगों ने गोमटी हटवाने की मांग किया।

साथ ही इन लोगों ने कहा मौके पर जाकर जांच की जाए और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर नफीस अहमद, मुल्लन, हकीम खां, शहरून निशा, मोहम्मद यासीन सहित तमाम अन्य लोग मौजूद रहे।

वैश्य समाज ने टॉपर दिव्यांशी को प्रतीक चिन्ह देकर किया सम्मानित

फतेहपुर। यूपी बोर्ड की दिव्यांशी अग्रहरी को इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद ने जताई खुशी। परिषद के पदाधिकारियों ने मेधावी छात्रा को माला पहनाकर मिष्ठान खिलाते हुए प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया तथा मेधावी के उज्जवल भविष्य की कामना की। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद के जिलाध्यक्ष अरुण जायसवाल के नेतृत्व में परिषद के पदाधिकारी यूपी बोर्ड में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली दिव्यांशी अग्रहरी के घर जाकर परिवार के साथ उसका सम्मान करते हुए उत्साह बढ़ाया। पदाधिकारियों ने मेधावी दिव्यांशी को माला पहनाकर मिष्ठान खिलाकर तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अरुण जायसवाल ने कहा कि मेधावी ने वैश्य समाज के साथ परिवार व विद्यालय का भी गौरव बढ़ाया है। राष्ट्रीय महासचिव विनोद कुमार गुप्ता ने कहा कि मेधावी दिव्यांशी ने जो अपनी प्रतिभा के बल पर सफलता पाई है वह गौरव की बात है। परिषद के युवा जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शरण सिंपल ने कहा कि मेधावी ने सफलता प्राप्त कर पूरे प्रदेश के साथ जनपद को गौरवान्वित किया है। इस मौके पर राष्ट्रीय महिला कविता रस्तोगी, वेद प्रकाश गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, संजीव गुप्ता, गुड्डू मोदनवाल, चंद्रप्रकाश गुप्ता, बबलू, सत्येंद्र गुप्ता, मनोज सोनी, अमित गुप्ता, यश गुप्ता, मयूर गुप्ता, विनोद मोदनवाल, संतोष गुप्ता, राधेश्याम, आशीष अग्रहरी आदि रहे।

बैठक — जिला पर्यावरण समिति की बैठक में हुई चर्चा

पर्यावरण को संतुलित करने के लिए सभी लोगों को पेड़ लगाकर लेना होगा गोद : सीडीओ

फतेहपुर (दैनिक सवेरा)। जिला पर्यावरण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें मुख्य रूप से मेरा आंगन मेरा पेड़ को संकल्पित करने हेतु चर्चा की गई ' बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि पौध रोपित कर सभी को उसकी सुरक्षा के लिए उन पौधों को गोद लेना होगा। जिससे पर्यावरण को हरा भरा रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि गंगा के किनारे के गांव में अवश्य पौधे रोपित किए जाएं। साथ ही साथ प्रभागीय निदेशक रामानुज त्रिपाठी के द्वारा

अवगत कराया गया कि इस बार वृक्षारोपण को जन आंदोलन बनाने हेतु पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ स्लोगन दिया गया है। वृक्षारोपण जन आंदोलन में सहभागिता करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को 11 पौधा रोपित करते हुए उसे संरक्षित करने का संकल्प लेना है। बैठक में पर्यावरण से संबंधित टेंपलेट्स के ठोस अपशिष्ट प्लास्टिक अपशिष्ट कं स्ट्रक्शन एवं डिमोलिशन वेस्ट प्रबंधन जैव चिकित्सा अपशिष्ट एवं ई वेस्ट प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में अपर जिलाधिकारी धीरेंद्र प्रताप सिंह, सी. एम.ओ. राजेंद्र प्रताप सिंह,प्रभागीय निदेशक रामानुज त्रिपाठी, महेंद्र प्रसाद चौबे परियोजना निदेशक ,क्षेत्रीय वन अधिकारी आर एल सैनी, उपेंद्र राज सिंह जिला पंचायत राज अधिकारी, पर्यावरण समिति के नामित सदस्य शैलेंद्र शरण सिंपल संयोजक नमामि गंगे, जिला कृषि अधिकारी बृजेश सिंह, देवदत्त सिंह आदि ने बैठक में प्रतिभाग किया।

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

जसराना। सोमवार की दोपहर फांसी पर लटकने से एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद पहुंचे मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की शादी 4 वर्ष पूर्व हुई थी। थाना उत्तर के मोहल्ला झलकारीबाई नगर निवासी बृजमोहन की पुत्री राधा की शादी छह वर्ष पूर्व कस्बा पाढ़म निवासी धर्मेंद्र के साथ 4 वर्ष पूर्व हुई थी महिला का पति धर्मेंद्र एटा किसी कार्य से गया था। पीछे महिला की फांसी पर लटकने से मौत हो गई। पत्नी की मौत की जानकारी मिलने पर धर्मेंद्र घर पहुंचा और मायके पक्ष को सूचना दी। मायके पक्ष के लोगों ने ससुरालियों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए थाना जसराना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर कोतवाल आजाद पाल सिंह मय पुलिस फोर्स के मौके पर पहुंचे और लोगों से घटना के बारे में जानकारी ली। वहीं पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाल आजाद पाल सिंह ने कहा महिला की, फांसी पर लटकने से मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने पर ही सही स्थिति मालूम हो सकेगी। मायके पक्ष के लोग तहरीर देते हैं तो मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

और जब सरकारी एंबुलेंसो गूंजी नवजात शिशुओं की किलकारियां

फिरोजाबाद। जनपद मैं सोमवार को सरकारी एंबुलेंसो में 2 शिशुओं की किलकारियां गूजी नारखी क्षेत्र निवासी एक प्रसूता ने जहां सरकारी एंबुलेंस में पुत्र को जन्म दिया वही बिल्टी गढ़ निवासी एक प्रसूता ने आसिफाबाद पर सरकारी एंबुलेंस में एक बच्ची को जन्म दिया दोनों को ही जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जान जहां दोनों प्रसूताआएं और उनके बच्चे स्वस्थ है। पचवान निवासी भंवर पाल की पत्नी श्रीदेवी को रविवार की आधी रात वाद प्रसव पीड़ा हुई परिजनों ने इसकी सूचना क्षेत्रीय आशा सीमा देवी को दी सीमा देवी प्रसूता के घर पहुंची और उसने 102 सरकारी एंबुलेंस को सूचना दी एंबुलेंस चालक उपेंद्र सिंह अपने साथी ईएमटी विनय प्रताप के साथ एंबुलेंस लेकर प्रसूता के घर पहुंच गए परिजन प्रसूता को एंबुलेंस द्वारा जिला महिला अस्पताल ला रहे थे तभी रास्ते में प्रसूता कि प्रसव पीड़ा और अधिक बढ़ गई उसने एंबुलेंस में ही पुत्र को जन्म दिया आशा ने प्रसव के बाद प्रसूता और उसके नवजात शिशु को जिला महिला अस्पताल मैं लाकर भर्ती करा दिया है जहां दोनों ही स्वस्थ हैं वही थाना मक्खनपुर के गांव बिल्टी गढ़ निवासी एक प्रसूता 24 वर्षीय अर्चना देवी पत्नी पुष्पेंद्र को प्रसव पीड़ा हुई थी उसे भी सरकारी एंबुलेंस द्वारा जिला महिला अस्पताल लाया जा रहा था परंतु जिला महिला अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही उसने सरकारी एंबुलेंस में आसिफाबाद के समीप पुत्री को जन्म दिया जिसमें आशा भूरी देवी एंबुलेंस चालक विकास कुशवाहा आदि का विशेष सहयोग रहा इस प्रसूता और उसकी नवजात पुत्री को भी जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां दोनों ही स्वस्थ हैं।

एटा के युवक की हत्या में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

एका। एटा के थाना अवागढ़ स्थित भूड़गड्डा निवासी दिनेश कुमार के हत्याकांड में परिजनों ने थाना एका पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया। मृतक दिनेश सिंह की पत्नी रेनू ने गांव के ही 3 लोगों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कराते हुए बताया कि पूर्व में चल रहे मुकदमे के फैसले को लेकर कई बार मुझे और मेरे पति को डराया धमकाया है। उसी को लेकर उक्त लोगों ने शनिवार को गोली मारकर हत्या कर दी है। रिपोर्ट गांव के ही देवेंद्र कुमार पुत्र जगत पाल सिंह दुर्गेश पुत्र देवेंद्र सिंह धीरज पुत्र वीरपाल के विरुद्ध एफ आई आर दर्ज कराई है। एका थाना अध्यक्ष नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर अपहरण हत्या के साथ अनुसूचित जातिअधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले की जांच कराई जा रही है जल्दी आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

छात्रों से संवाद कर अग्निपथ के बारे में समझाया

एका। अग्नीपथ को लेकर चल रहे विवाद में एका थाना अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने युवाओं छात्रों से बैठक कर योजना के बारे में समझाया बताया कि अग्निपथ योजना जीवन के लिए उपयोगी है। नौकरी के बाद जो लोग एक नंबर पर होंगे उनको वहां उनकी इच्छा अनुसार फौज में शामिल कर लिया जाएगाकर ल। इसमें नौकरी के साथ बाद में ऑप्शन भी मिल रहे हैं। किसी भी रक्षा विभाग की नौकरी में दस परसेंट का कोटा, रिटायरमेंट के समय रुपए भी हें। बाद में किसी व्यापार करने के लिए सरकार से लोन सहायता भी प्राप्त कर सकते हैं। आप युवा हैं फौज की तैयारी कर रहे हैं और अगर कोई अपराध कार्य करते हैं । मुकदमा पंजीकृत होता है तो ऐसे में आप नौकरी से वंचित रह सकते हैं। इसलिए सावधानी बरतें किसी के बहकावे में ना आयें। फेसबुक इंस्टाग्राम व्हाट्सएप ईमेल प्रयोग करते समय सावधानी बरतें सभी पर सख्त निगरानी की जा रही है। देश की रक्षा के लिए संकल्प करने वाला व्यक्ति दंगा नहीं करता देश की संपत्ति नहीं जलाता। बैठक में ग्राम सभा आजमपुर सिलौटा के ग्राम प्रधान सुनील यादव के साथ ब्लॉक एका के गांव मधीपुर सुराया नगला देवी सायपुर नगला खेड़ा मधीपुर गीगना झाल गोपालपुर से छात्र दिनेश कुमार राहुल शर्मा विकेश कुमार अजीत कुमार दीपक कुमार विशाल हरिओम सुधीर शामिल रहे।

शिक्षक मुकेश को मिला नेशनल एकेडमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड

एटा। ब्लॉक निधौली कला क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय बड़ागांव के शिक्षक मुकेश कुमार को कोविड-19 वैश्विक महामारी में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड-2021 से सम्मानित किया गया। पृथ्वी अभ्युदय एसोसिएशन इंडिया एवं महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नेशनल एजुकेशन कॉन्क्लेव-2022 एवं एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड-2021 के अंतर्गत एटा से शिक्षक मुकेश कुमार सहायक अध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ागांव विकासखंड निधौली कलां का कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड-2021 मिला है। जिसके तहत प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर नेशन बिल्डर के रूप में सम्मानित किया गया एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर प्रेजेंटेशन हेतु अतिरिक सर्टिफिकेट और मोमेंटो देकर सममानित किया गया।

आठवें विश्व योग दिवस का आयोजन 21 जून को

- जीटी रोड स्थित स्टेडियम में होगा योग का भव्य कार्यक्रम का आयोजन
- डीएम ने स्टेडियम ने किया जायजा, अधीनस्थों को दिए निर्देश

एटा। जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल ने कहा कि स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर सम्पूर्ण देश में मना जा रहे आजादी के अमृत महोत्सब की श्रंखला के अन्तर्गत 21 जून को आठवें विश्व योग दिवस के अवसर पर जीटी रोड स्थित स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। शासन द्वारा योग दिवस की थीम मानवता के लिए योग घोषित की गई है। विश्व योग दिवस में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की फोटो एवं प्रतिभागियों की संख्या का विवरण आयुष कवच एप पर सामूहिक अथवा व्यक्तिगत रूप से अपलोड किया जाए।

जिलाधिकारी ने विश्व योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सोमवार को अपरान्ह में कार्यक्रम स्थल स्टेडियम पहुंचकर तैयारियों का जायजा तथा मौजूद अधीनस्थ अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु तैयारियां ससमय पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योग दिवस कार्यक्रम के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्य रहेगा। प्रधानमंत्री की मंशा को ध्यान में रखते हुए च्वसुधैव कुटुम्बकमच्च की भावना को मजबूती प्रदान करने एवं मानव कल्याण के उद्देश्य से इस बार जनपद के सभी ग्रामों में अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा मैसूर से प्रातः 6:40 बजे से 7 बजे तक योग दिवस के अवसर पर संबोधित किया जाएगा, जिसका सजीव प्रसारण दूरदर्शन पर होगा। कार्यक्रम के दौरान जनपद के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधिगण आदि द्वारा भी प्रतिभागिता की जायेगी। सभी जिला स्तरीय अधिकारी, स्कूल, कॉलेज, औद्योगिक संगठन, बैंकर्स, स्वयं सहायता समूह की सखियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, निजी एवं सरकारी चिकित्सालय आदि से संबंधित युवक-युवतियों, वरिष्ठ नागरिकों सहित जनपद के समस्त लोगों को आयुष कवच ऐप डाउनलोड करा कर योग करने के लिए प्रेरित करें तथा योग करते हुए फोटो एवं वीडियोक्लिप आयुष कवच ऐप पर अपलोड कराएं। इस दौरान सीडीओ डा. अवधेश कुमार वाजपेयी, पीडी निर्मल द्विवेदी, उप क्रीडाधिकारी पूजा भट्ट आदि मौजूद रहे।

बहन की पिटाई का विरोध करने पर दो भाईयों को पीटा

फिरोजाबाद। बहन की पिटाई का विरोध करने पर आरोपियों ने दो भाईयों के साथ मारपीट कर दी। इस बीच ग्रामीण एकत्रित हुए और उन्होंने मामले को शांत करा दिया। घायल दोनों भाईयों को मटसेना थाना पुलिस उपचार को सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आई। यहां उनकी हालत गंभीर होने पर भर्ती कर लिया गया। मटसेना थाना क्षेत्र के गांव लुहारी निवासी सुधा पुत्री राजेंद्र बाबू का आरोप है कि उसके चाचा ने उसके साथ मारपीट कर दी थी। इसका विरोध भाई मोहित और हरिओम ने किया तो चाचा ने परिवार के साथ दोनों भाईयों पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। इससे वह घायल हो गए। चीख पुकार होने पर आसपास के ग्रामीण एकत्रित हो गए। उन्होंने भाईयों को किसी तरह से बचाया। इस बीच सूचना पर मटसेना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस घायल दोनों भाईयों को उपचार के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आई। यहां उनकी हालत गंभीर होने पर भर्ती कर लिया गया। थानाध्यक्ष मटसेना संजुल पांडेय का कहना है कि दो युवकों के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की है। जिनका डाक्टरी परीक्षण कराया गया है। तहरीर आने पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

न कोई कष्ट न कोई रोग, जब जीवन में होगा योग : अश्वनी जैन

सिरसागंज। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में योग विषय पर एक स्लोगन प्रदर्शन का कार्यक्रम किया गया। जिसमें छात्रों ने योग विषय पर स्लोगन प्रदर्शित किए।

अश्वनी जैन ने छात्रों के स्लोगन की सराहना करते हुए बताया कि इस स्लोगन प्रदर्शन में गोलू कुमार ने जीवन में योग को अपनाएंगे, बीमारी को कोसों दूर भगाएंगे, सचिन कुमार ने धनुरासन , स्वर्गासन, योग स्वस्थ रखने का सबसे सरल रास्ता, समीर खान ने स्वंय को बदलो, तो यह जग बदलेगा, योग से हर दिन सुखमय निकलेगा, गोविन्द कुमार ने न कोई कष्ट न कोई रोग, जब जीवन मे होगा योग, कृष्णा यादव ने चलो विश्व योग दिवस मनाएं, पूरे विश्व को स्वस्थ होने का मन्त्र बताएं, निशान्त कुमार ने योग अपनाओ, जिंदगी बेहतर बनाओ, अमन कुमार ने चलों योग करें हम, विकास कुमार ने योग करो, निरोग रहो एवं अमित कुमार ने खुद को तन मन से शक्तिशाली बनाएं, आओ मिलकर सभी योग अपनाएं आदि प्रदर्शित किए। उन्होंने छात्रों को जागरूक करते हुए योग के विषय को भी समझाया एवं 21 जून 2022 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी को योग करने के लिए प्रेरित किया।

दिव्यांग लोगों द्वारा योग दिवस पर अधिक से अधिक लोगों से योगा करने की अपील

फिरोजाबाद। श्री नारायण दिव्यांग सेवा समिति के तत्वधान में सरस्वती शिशु मंदिर पर समिति की एक बैठक हुई जिसमें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए दिव्यांग जनों ने समिति द्वारा योगा कराया गया साथी साथ दिव्यांग जनों का परिचय भी किया गया जैसे पढ़े-लिखे दिव्यांगजन घर बैठे हैं उनके भी लिए समिति कुछ ना कुछ रोजगार दिलाने के कोशिश कर रही है समिति समिति में समिति के प्रदेश अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारियों के निर्णायक से सुनील कुमार कुशवाहा जी को जिला महासचिव का पद दिया गया प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार प्रदेश सचिव दिनेश चंद राठौर प्रदेश सह सचिव मनीष कुमार वर्मा प्रदेश कोषाध्यक्ष डॉक्टर नवीन विद्यार्थी प्रदेश मीडिया प्रभारी संजेश कुमार जिला कार्यकारिणी कमलेश कुमार मनोज कुमार बालकृष्ण मीना राधा खेमचंद सुनील कुमार गणेशी लाल घनश्याम आदि दिव्यांग उपस्थित रहे।

शगुन गार्डन में योग शिविर का हुआ आयोजन, कराया योगाभ्यास

सिरसागंज। स्थानीय कुंजपुरा रोड स्थित शगुन गार्डन में विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें यागाचार्यों द्वारा लोगों को योगाभ्यास कराते हुए इससे होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई।

आगामी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के चलते यज्ञ-योग-आयुर्वेद प्राकृतिक चिकित्सा प्रचार सप्ताह के अन्तर्गत पतंजलि चिकित्सालय, वेद मन्दिर, ब्रहमाकुमारीज एव योगाचार्यों के माध्यम से नगर में जगह जगह योग शिविरों आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को कुंजपुरा रोड स्थित शगुन गार्डन में योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रातः 5 बजे से 7:30 तक योगाचार्यों द्वारा कपालभाति, अनुलोम विलोम योगिक सहित अन्य योगासनों का लोगों को योगाभ्यास कराया गया तथा इससे होने वाले शारीरिक व लाभों के बारे में जानकारी दी गयी और बताया कि योग करने से हमारा शरीर स्वस्थ व निरोग रहता है और मनुष्य को योग अवश्यक करना चाहिए जिससे कि वह निरोग रहें। योग करने से व्यक्ति के सारे रोगों का नाश होता है। योग शिविर में मुख्य रूप से पूर्व पालिका चेयरमैन सरोज शर्मा, समाजसेवी पं0 सीताराम शर्मा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष विल्सन गुप्ता, डॉ. शोभित सिंह, अजय गुप्ता, देवशरण आर्य, नवीन आर्य जिला प्रभारी पतंजलि, आदित्य, रामप्रताप, महेश यादव व जितेन्द्र तिवानी उपस्थित रहे। वहीं निशुल्क परामर्श हेतु पहुँचे डॉ. महेश शर्मा व डॉ. आनन्द मिश्रा द्वारा लोगों को निशुल्क परामर्श दिया गया। आगामी 21 जून होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक विशाल योग शिविर का कार्यक्रम गॉन्धी मण्डी में आयोजित किया जा रहा है। जिसके लिए पं0 सीताराम शर्मा ने नगर के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने की अपील करते हुए कहा है कि योग को घर घर पहुँचाकर नगर को निरोगी बनायें।

वेतन भुगतान को लेकर जवाहर तापीय परियोजना में हंगामा

एटा। निमार्णाधीन जवाहर विद्युत तापीय परियोजना से जुड़े मजदूरों ने सोमवार को धरना प्रदर्शन किया और परियोजना के गेट पर ताला डाल दिया। इनका आरोप है कि इन्हें छह माह से वेतन नहीं मिला। वे भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। चेतावनी दी कि वेतन नहीं मिला तो वे कुछ भी करने को तैयार है। सूत्रों के अनुसार ऐसे मजदूरों की हजारों में है। वहीं जवाहर विद्युत तापीय परियोजना के मुख्य अभियंता बोले, संबंधित फर्म से बात कर वेतन दिलाया जाएगा।

सोमवार को सुबह श्रमिकों का रोजाना की तरह परियोजना परिसर में प्रवेश शुरू हुआ। उन्होंने अपने वेतन की मांग की। अधिकारियों ने मना कर दिया तो श्रमिक भड़क गए। उन्होंने गेट पर ही बैठकर धरना शुरू कर दिया। अन्य मजदूरों को भी रोक लिया। बाद में कार्य बहिष्कार करते हुए बाहर आ गए। पूरे दिन काम नहीं किया।

कर्मचारियों ने बताया कि जनवरी 2022 से उन्हें वेतन भुगतान नहीं किया गया है। रोजाना एक-दो दिन की बात कहकर टाल दिया जाता है। अधिकारियों ने बाद में हमें परिसर से बाहर कर दिया। ठेका लेकर काम करा रहीं कंपनियां मजदूरों के भुगतान को लेकर समस्या खड़ी करती हैं। अधिकांश मजदूर बाहरी जनपदों के हैं। बिहार के भी कई लोग हैं। छह महीने से वेतन न मिलने की वजह से वे भुखमरी की कगार पर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनकी बात नहीं सुनी जाती है तो वे कुछ भी करने को तैयार हैं।

» **पांच महीने पहले भी हुई थी हड़ताल**

वेतन न मिलने की वजह से हड़ताल का यह पहला मामला नहीं है। यहां पांच महीने पहले भी हड़ताल हो चुकी है। श्रमिकों ने हंगामा करते हुए कार्य बहिष्कार कर दिया था। उन्होंने करीब 400 श्रमिकों का चार महीने से वेतन न देने का आरोप लगाया था। अधिकारियों के हस्तक्षेप से हफ्ते भर में मामला शांत हुआ था।

» **प्लांट स्थापना में हो चुकी है देरी**

1320 मेगावाट विद्युत उत्पादन के इस प्लांट की स्थापना में पहले ही देरी हो चुकी है। दूसान को इस प्रोजेक्ट का अनुबंध 22 दिसंबर 2016 को दिया गया था। जिसके मुताबिक अप्रैल 2021 तक इससे विद्युत उत्पादन शुरू किया जाना था। बीच में कोरोना काल के चलते कई महीने काम नहीं हो सका और यह पिछड़ गया। यहां पर हजारों की संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं।

फंदे पर लटका मिला महिला का शव, दो माह पूर्व हुआ था विवाह

फिरोजाबाद/सिरसागंज। रविवार रात महिला का शव फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर कार्रवाई करने की बात कह रही है।

सिरसागंज थाना क्षेत्र के गांव बहादुरपुर निवासी 20 वर्षीय प्रीति पत्नी ओंमकार ने रविवार रात घर के अंदर फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। महिला के शव को देख परिजनों में कोहराम मच गया। आसपास के लोग एकत्रित हुए। सूचना पर सिरसागंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर महिला के शव को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। प्रीति का विवाह दो माह पूर्व सिरसागंज थाना क्षेत्र के गांव बहादुरपुर निवासी ओमकार के साथ हुआ था। प्रीति मूलरुप से इटावा के थाना सैफई क्षेत्र के गांव मोहब्बतपुर की रहने वाली है। प्रीति की मौत की खबर पर मायके वाले भी जिला अस्पताल आ गए थे। उन्होंने हत्या की आशंका जाहिर की है। थानाध्यक्ष सिरसागंज उदयवीर मलिक का कहना है कि महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीड़ित परिजन यदि तहरीर देते हैं तो मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई की जाएगी।

चौपाल अग्निपथ के लिए अधिकारियों का रात्रि प्रवास

देश की संपत्ति को आग लगाने वाले किसी नौकरी के काबिल नहीं हो सकते : ग्राम प्रधान सुंदर पाल

फिरोजाबाद। अग्निपथ को लेकर छात्रों में आक्रोश भड़क रहा है छात्र सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने ब्लॉक स्तर के अधिकारियों की रात्रि प्रवास के लिए ड्यूटी लगा दी। रात्रि प्रवास के दौरान शनिवार को एका खंड विकास अधिकारी रजत कुशवाहा ने ग्राम सभा पाडम के ग्राम प्रधान हरवीर सिंह यादव के आवास पर रात्रि चौपाल लगाकर छात्र युवाओं एवं उनके अभिभावकों को अग्निपथ योजना के बारे में संपूर्ण जानकारी दी। बताया कि हाई स्कूल करने के बाद जो समय यह सोचने में व्यतीत होता है कि अब क्या करना चाहिए उसी समय में छात्र की नौकरी लगेगी देश सेवा करने का मौका मिलेगा। 4 साल की नौकरी के बाद कोई भी रक्षा विभाग उन्हें फिर से नौकरी देने के लिए तैयार रहेगा वही छात्र के पास इतना रुपया होगा कि वह चाहे तो अपनी बिजनेस खड़ी कर सकता है ।अन्यथा बिना अवरोध के कोई भी बड़ी पढ़ाई या डिप्लोमा आगे पूरा कर सकता है। एका एडीओ पंचायत सुरेश चंद हितेषी ने ग्राम सभा रामपुर के ग्राम प्रधान सुंदर पाल के साथ ग्राम सभा के युवाओं और गणमान्य व्यक्तियों को लेकर बैठक में समझाया कि इस योजना में हर वर्ष 45000 युवाओं को रक्षा विभाग में नौकरी दी जाएगी। किसी के बहकावे में नहीं आना है अग्निपथ के बारे में पूरी जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना देश और आपके जीवन के लिए बहुत उपयोगी है। सोचिए उपद्रव करने के बाद मुकदमे लग जाएंगे जेल जाना पड़े गा। जिसके बाद करैक्टर सर्टिफिकेट किसी भी सूरत में नहीं बनेगा। जो कि रक्षा विभाग की नौकरी के लिए अति अत्यावश्यक है। ग्राम प्रधान सुंदर पाल ने कहा की देश की रक्षा करने का जज्बा रखने वाले यही युवा अगर देश की संपत्ति को आग लगा रहे हैं तो यह किसी नौकरी के लायक नहीं है। चौपाल में मुख्य रूप से रामअवतार सिंह बघेल मानवेंद्र सोनू राकेश प्रिंस उपाध्याय सत्यम तिवारी सचिव सुनील यादव पुष्पेंद्र,प्रमोद, प्रधान पुत्र अप्पू, ब्रजेश, अजय एवम अन्य ग्रामीण जन शामिल रहे।

यादवेन्द्र मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र प्रताप द्वारा सवेरा पब्लिकेशन सवेरा भवन नेविल रोड, इटावा से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : कुमुदेश चन्द्र यादव, स्थानीय सम्पादक : रमन शर्मा फोन (05688) 252323, 252525 फैक्स नं.- 05688-254141 मोबा : सम्पादकीय - 9258021152, विज्ञापन - 9258021151
ई-मेल : dainiksavera@rediffmail.com डाक पंजीयन संख्या - 10/2011-12, आर.एन.आई. नं. 29329/77 समस्त विवाद इटावा न्यायालय के अधीन होंगे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
सवेरा

सम्पादकीय

इटावा
मंगलवार, 21 जून, 2022

भूख का हल हो

यह विडंबना ही है कि खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के बावजूद भारत उन देशों की सूची में है, जहां आबादी के एक हिस्से को पेट भर भोजन नहीं मिल पाता है. प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए रेखांकित किया है कि भूख और कुपोषण परस्पर संबद्ध हैं तथा यह सरकार की जिम्मेदारी है कि जिन्हें भोजन मयस्सर नहीं है, उन्हें खाना मुहैया कराये.

इसके लिए अदालत ने ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक रसोई की शृंखला बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित किया है. केंद्र सरकार की ओर से अदालत को बताया गया था कि देश में भूख से कोई मौत नहीं हुई है, पर खंडपीठ ने विभिन्न सर्वेक्षणों का हवाला देते हुए इसे मानने से इनकार कर दिया. असल में यह जानकारी राज्य सरकारों द्वारा दी गयी सूचना पर आधारित थी. यह भी बेहद चिंताजनक है कि कई मामलों में राज्य सरकारें अपनी जवाबदेही से बचने के लिए सही तथ्य नहीं बताती हैं. इस रवैये में सुधार की जरूरत है.

केंद्र सरकार को भी ऐसी सूचनाओं की पुष्टि कर लेनी चाहिए. अदालत ने कहा है कि चुनाव के समय राजनीतिक दल बड़े-बड़े लोकलुभावन वादे करते हैं. कई राज्यों में सामुदायिक रसोई योजना भी लागू है. ऐसे में पार्टियों को भोजन मुहैया कराने की योजनाओं के साथ अपने वादों को जोड़ना चाहिए. हालिया वैश्विक भूख सूचकांक के अनुसार भारत में भूख की समस्या गंभीर है.

उचित पोषण नहीं मिलने के कारण बच्चे कुपोषण का शिकार हो जाते हैं. हालांकि शिशु मृत्यु दर में कमी आती जा रही है, पर कुपोषित बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी चिंताजनक है. कुछ समय पहले प्रकाशित केंद्र सरकार की राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण रिपोर्ट में बताया गया है कि 26 प्रतिशत बच्चे तथा 30 प्रतिशत से अधिक बच्चियां कुपोषित हैं.

वंचित वर्गों के लिए सामुदायिक भोजनालय खोलने के लिए राज्य सरकारों ने सहमति दी है, पर उनकी मांग है कि केंद्र सरकार खाद्यान्न के वर्तमान आवंटन में दो प्रतिशत की वृद्धि करे तथा रसोई चलाने के लिए आवश्यक मानव संसाधन के लिए वित्तीय प्रावधान करे. केंद्र सरकार खाद्यान्न का आवंटन बढ़ाने के लिए तैयार है, पर वित्तीय सहयोग देने में उसने असमर्थता जतायी है.

केंद्र सरकार अपने स्तर पर 131 सामाजिक कल्याण योजनाएं चला रही है तथा अनेक कार्यक्रमों के तहत लाभार्थियों को धन भी हस्तांतरित किया है. ऐसे में वित्तीय सहयोग के मुद्दे को विमर्श तथा वैकल्पिक उपायों से हल किया जा सकता है. सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार राज्य सरकारों को भूख, भूखमरी और कुपोषण से संबंधित सभी सूचनाएं अदालत को देनी चाहिए.

साथ ही, केंद्र और राज्य सरकारों को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन तथा अन्य कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से लागू करने को प्राथमिकता बनाना चाहिए तथा सुनिश्चित करना चाहिए कि कोरोना काल में 80 करोड़ गरीबों को दिये जा रहे मुफ्त राशन का वितरण ठीक हो.

चीनी कर्ज का बढ़ता शिकंजा

श्रीलंका द्वारा कर्जों की अदायगी न कर पाने के मामले ने दुनिया का ध्यान चीन के कर्ज शिकंजे की ओर एक बार फिर खींचा है. कर्ज की शर्तों में बदलाव करने के श्रीलंकाई अनुरोध को चीन अभी मानने के लिए तैयार नहीं है. कर्ज के शिकंजे (डेट ट्रैप) का मामला पहले के दौर के साहूकारों द्वारा दिये जानेवाले कर्ज की तरह है, जिसे नहीं चुकाने की स्थिति में वे गिरवी रखी चीज पर कब्जा कर लेते थे. देशों के मामले में ऐसा सीधे नहीं किया जा सकता है क्योंकि संप्रभुता आड़े आ जाती है. जब कोई देश पैसा चुकाने में समर्थ नहीं होता, तो वह या तो मोहलत मांगता है या कर्ज देनेवाला देश परियोजना या संसाधन को लेकर भरपाई करने की कोशिश करता है. जब भी कोई देश किसी देश को कर्ज देता है, तो वह अपना रणनीतिक प्रभाव स्थापित करने तथा अपने हितों को साधने का भी प्रयास करता है. चूंकि चीन के पास बहुत पैसा है और विकासशील व अविकसित देशों को धन की जरूरत भी है, तो उसने एशिया, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका में बड़े पैमाने पर कर्ज दिया हुआ है. उससे कर्ज लेनेवाले देशों की संख्या 130 से अधिक है और उसके अधिकांश कर्ज बेल्ट-रोड परियोजना के तहत दिये गये हैं.

इस संबंध में यह भी उल्लेखनीय है कि निवेश या कर्ज की जरूरत के अलावा कर्जदार देशों के राजनीतिक नेतृत्व को भ्रष्टाचार के जरिये भी लुभाया जाता है. साथ ही, किसी परियोजना को जल्दी पूरा करने की चीन की क्षमता का भी असर पड़ता है. चीन की रणनीति यह रही है कि वह बड़े-बड़े कर्ज दे देता है, जिन्हें चुका पाने में कर्जदार देश असमर्थ हो जाते हैं. इस कारण परिसंपत्तियों के प्रबंधन का सारा काम चीनियों के हाथ में चला जाता है.

श्रीलंका पर अभी 45 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज है, जो उसकी नॉमिनल सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) का 60 प्रतिशत है. इसमें से कम से कम आठ अरब डॉलर चीन का उधार है. पाकिस्तान का विदेशी कर्ज उसका कुल घरेलू उत्पादन का लगभग 40 फीसदी है. चीन ने वहां भी बड़े पैमाने पर निवेश किया हुआ है. ऐसे कर्ज से अनेक देशों में चीन के प्रति असंतोष भी बढ़ रहा है, जैसे म्यांमार में चीन के पैसे से बन रही परियोजनाओं का कई वर्षों से विरोध हो रहा है.

पाकिस्तान और श्रीलंका में भी सवाल उठाये जा रहे हैं. चीन के ऐसे पैंतरों को अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने नव-उपनिवेशवाद की संज्ञा दी है. ऐसे कम से कम 30-40 देश हैं, जिनकी जीडीपी का न्यूनतम 20 फीसदी चीनी कर्ज है. पाकिस्तान का तो आधा कर्ज चीन के मार्फत हासिल हुआ है. ऐसे में यह स्वाभाविक है कि जिन देशों में भारी चीनी कर्ज है, वहां इसका असर राजनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर पड़ता है. श्रीलंका इसका ताजा उदाहरण है.

भारत ने पड़ोसी और मित्र देश होने के नाते उसे फौरी राहत देते हुए 912 मिलियन डॉलर का कर्ज मुहैया कराया है. इसके अलावा भारत से खाद्य पदार्थ और ईंधन खरीदने के लिए 1.5 अरब डॉलर की दो क्रेडिट लाइन भी दिया गया है. इसे चीन के बढ़ते वर्चस्व की काट के रूप में भी देखा जा सकता है. कर्ज के शिकंजे का एक पहलू उस देश की आंतरिक स्थिरता तथा क्षेत्रीय शांति से भी जुड़ा हुआ है. जैसे हमने पहले बात की कि कई देशों में चीन की आर्थिक रणनीति को लेकर असहजता उत्पन्न होने लगी है. उन्हें लगने लगा है कि चीन उनकी आंतरिक परिस्थितियों का लाभ उठाकर राष्ट्रीय संसाधनों के दोहन में लगा हुआ है. इससे चीन को भी परेशानी होने लगी है. कुछ समय पहले पाकिस्तान में चीन के अनेक लोगों की हत्या हुई थी. उसके बाद चीन ने पाकिस्तानी सुरक्षा व्यवस्था को अपर्याप्त मानते हुए कहा कि उसके लोगों और कारोबार की सुरक्षा का जिम्मा चीनी सुरक्षाकर्मी संभालेंगे तथा उसने अपने लोगों को हथियार आदि दे दिया. अब अगर किसी भी देश में दूसरे देश के लोग हथियार लेकर घूमेंगे और अपना आधिपत्य जमाने की कोशिश करेंगे, तो वहां के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे. चीन को लगातार ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा तथा उन देशों में अस्थिरता का वातावरण बनेगा. जहां तक चीन की कर्ज रणनीति और कूटनीति में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के हस्तक्षेप का सवाल है, तो यह बड़ा उलझा हुआ मसला है. कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन की बेल्ट-रोड परियोजना के बरक्स बिल्ड बैक बेटर परियोजना लाने की बात कही थी, लेकिन इस पर मुहर नहीं लग सकी है.

डाटा युग में बिगड़ते बोल का बोलबाला

> ***मतदान को प्रभावित करने की जिस तकनीक का इस्तेमाल अमेरिका में इस सदी की शुरूआत में ही होने लगा था, उसे भारत तक पहुंचने में एक दशक का समय लग गया। सबसे पहले बराक ओबामा ने इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया और बिग डाटा के जरिये वह न सिर्फ पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी प्राप्त करने में कामयाब रहे, बल्कि इसे आगे का मुख्य चुनाव भी उन्होंने जीता। पार्टी के भीतर उम्मीदवारी की दौड़ में उनकी प्रतिद्वंद्वी थीं हिलेरी क्लिंटन।***

अपने देश में विवादास्पद सांप्रदायिक बयानों वाला बवाल जब अपने चरम पर था, तब कुछ अखबारों में खबर यह छपी कि भारतीय जनता पार्टी ने विवाद पैदा करने वाले अपने बयानवीरों पर लगाम लगाने का फैसला किया है। ऐसे 38 नेताओं की पहचान की गई है, जो अपने मुंह से झरने वाले फूलों की वजह से सुर्खियों में आते हैं। खबरों में यह भी बताया गया कि इसके लिए पार्टी नेताओं के लाखों ट्वीट खंगाले गए। उनमें से हजारों ट्वीट ऐसे अलग किए गए, जिनमें उनके बोल बिगड़े हुए थे। यह साफ नहीं है कि उसके आगे पार्टी ने सुधार के लिए क्या कार्रवाई की? की भी, या नहीं? यह भी हो सकता है कि पूरे मामले में पार्टी जिस तरह से फंस गई थी, उसके बाद ऐसी लीपापोती उसकी मजबूरी बन गई हो। मामला चाहे पार्टी में अनुशासन बनाने का हो या फिर महज लीपापोती करने का, इन कामों के लिए किसी पार्टी ने शायद पहली बार बिग डाटा का इस्तेमाल किया। कम-से-कम पहली बार ऐसा कोई किस्सा सार्वजनिक हुआ है।

साल 2014 का आम चुनाव वह पहला मौका था, जब बिग डाटा, यानी नागरिकों और मतदाताओं के आंकड़ों, उनकी जानकारियों, उनकी पसंद-नापसंद और उनके रुझानों का राजनीतिक इस्तेमाल शुरू हुआ था। सूचना तकनीक के इस्तेमाल से मतदाताओं को किस तरह जोड़ा और मोड़ा जा सकता है, इसका पहला अनुभव भारत को तभी मिला।

मतदान को प्रभावित करने की जिस तकनीक का इस्तेमाल अमेरिका में इस सदी की शुरूआत में ही होने लगा था, उसे भारत तक पहुंचने में एक दशक का समय लग गया। सबसे पहले बराक ओबामा ने इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया और बिग डाटा के जरिये वह न सिर्फ पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी प्राप्त करने में कामयाब रहे, बल्कि इसे आगे का मुख्य चुनाव भी उन्होंने जीता। पार्टी के भीतर उम्मीदवारी की दौड़ में उनकी प्रतिद्वंद्वी थीं हिलेरी क्लिंटन। हिलेरी जब इस दौड़ से बाहर हुईं, तो उन्होंने अपनी हार का ठीकरा आंकड़ों पर ही फोड़ते हुए कहा था कि उनके पास जीतने लायक अच्छे आंकड़े नहीं थे।

भारत में 1984 के आम चुनाव में राजीव गांधी ने राजनीति के परंपरागत और पुरातन तेवर बदलने की कोशिश की थी। तब पहली बार पार्टी दफ्तर में कंप्यूटर का इस्तेमाल शुरू हुआ था। उम्मीदवारों से उनके बायोडाटा मांगकर इन कंप्यूटरों में फीड किए गए थे। राजीव गांधी ने ही पहली बार चुनाव प्रचार को पेशेवर लोगों के हवाले कर उसका रूप-रंग पूरी तरह बदल दिया था। तब कांग्रेस के चुनाव प्रचार का जिम्मा री-डिफ्यूजन नाम की विज्ञापन एजेंसी को दिया गया था। इन चीजों के लिए उस दौर में उनका काफी मजाक भी बनाया गया। यह बात अलग है कि बाद में तकरीबन सभी दलों ने इन्हीं तौर-तरीकों को अपनाया। हालांकि, राजीव गांधी जिस समय कंप्यूटर का इस्तेमाल कर रहे थे, उस समय तक न तो बिग डाटा की अवाधारणा विकसित हुई थी, न आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) था, न मशीन लर्निंग थी, न इंटरनेट था और न ही वह सोशल मीडिया था, जिसने अगले दो दशक में करोड़ों लोगों को आपस में जोड़ दिया। पहला बदलाव तो राजीव गांधी ने कर दिया था, लेकिन अगले बदलाव के लिए भारत की राजनीति को अभी तीन दशक का इंतजार करना था।

आठ साल पहले जब बिग डाटा के इस्तेमाल ने भारत में दस्तक दी, तो यहां की राजनीति शायद उसके लिए पहले से ही तैयार थी। तब तक मोबाइल फोन की संख्या के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया था। देश में जितने वयस्क थे, मोबाइल फोन की संख्या उससे ज्यादा हो चुकी थी। इससे पहले की परंपरागत राजनीति में किसी भी उम्मीदवार के लिए यह लगभग असंभव था कि अपने क्षेत्र के 80 फीसदी मतदाताओं तक वह पंफलेट या प्रचार सामग्री को पहुंचा सके। लेकिन अब तकनीक ने यह मुमकिन कर दिया था कि 80 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं के फोन पर अपना संदेश भेजा जा सके।

इसलिए आंकड़ों का अंबार जमा करके उनके इस्तेमाल की तकनीक को भारतीय राजनीति ने ठीक वैसे ही अपनाया, जैसे मछली पानी को अपनाती है। हर रोज एक जीबी मुफ्त डाटा का दौर भले ही तब नहीं आया था, लेकिन ऐसी आबादी बहुत बड़ी थी, जो सोशल मीडिया से जुड़ चुकी थी। यह मीडिया मध्य वर्ग से होते हुए नीचे के वर्गों में भी अपने लिए जगह बनाने लग गया था।

तब से अब तक भारतीय राजनीति की गंगा-जमुना-सरस्वती में काफी डाटा बह चुका है। सभी दलों ने संकोच त्याग दिए हैं और आज हर कोई इनमें हाथ धो रहा है। इसी दौर ने एक और राजनीति को जन्म दिया है, जिसे हम चौबीसों घंटे और सातों दिन की राजनीति कहते हैं। यह और कुछ नहीं, नेताओं, कार्यकताओं और समर्थकों की लगातार ऑनलाइन सक्रियता है। यह सक्रियता आपको ट्विटर पर भी दिखाई देगी, फेसबुक पर भी, यू-ट्यूब पर भी और इंस्टाग्राम पर भी। वहां मुद्दे भी उछाले जाते हैं, उनके जवाब भी दिए जाते हैं और फिर पूरे विमर्श में वह बिगड़े बोल भी उभरते हैं, जिनके लिए हमारी राजनीति पहले से ही कम बदनाम नहीं है। इस नई सक्रियता ने कभी-कभार वाली तल्खी को सदा-सर्वदा वाला स्थायी भाव बना दिया है। पहले जिस तरह के तनाव की खबरें चुनाव के आसपास आती थीं, अब कभी भी, कहीं से आ जाती हैं। हालांकि, नई तकनीक इसे भी नियंत्रित करने में हमारी मदद कर सकती है, लेकिन यह होगा तभी, जब कोई वास्तव में इसे करना चाहेगा। तकनीक ने राजनीति को भले ही कितना भी बदल दिया हो, लेकिन समाज के तनावों से फायदा उठाने वाली उसकी नीयत को नहीं बदला। जब तक यह नहीं होता, लीपापोती चलती रहेगी।

कभी लालू यादव ने कहा था कि अखबारों में क्या छपता है, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मतदाता अखबार नहीं पढ़ता। लेकिन वही लालू यादव अब खुद भी ट्विटर पर सक्रिय हैं, उनकी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी ट्विटर पर हैं, उनके बेटे-बेटियां भी हैं। वे विभिन्न मुद्दों पर बोलते और लिखते हैं। प्रतिक्रियाओं का जवाब भी देते हैं। तकनीक ने राजनीति में इतना बदलाव तो किया ही है।

हाथ में है ऐसा वाई तो आपके लिए शुभ है...

हाथों की लकीरें कई आकृति बनाती हैं। इनमें से एक रेखा है जो वाई तरह की आकृति बनाती है। हाथ में बने इस निशान के शुभ और अशुभ दोनों तरह के संकेत मिलते हैं। आपकी जीवन रेखा से यदि कोई रेखा निकलकर चंद्र पर्वत की ओर जाते हुए उल्टा वाई बनाए तो इसका व्यक्ति के जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ता है। व्यक्ति के हाथ में दो तरह की वाई रेखाएं होती हैं। पहली जो शुभ संकेत देती हैं और दूसरी जो अशुभ संकेत देनी वाली होती हैं।

जीवन रेखा से होकर चंद्र पर्वत पर जाकर रुकने वाली रेखा और इससे बनने वाली वाई आकृति को व्यक्ति के लिए शुभ एवं फलदायक माना जाता है। जिस व्यक्ति के हाथों में इस तरह का निशान होता है वह विदेश यात्रा करते हैं। ऐसे निशान वाले लोग खुद का व्यवसाय करते हैं। यह व्यवसाय विदेशों तक फैला होता है। ऐसे लोग आर्थिक रूप से बेहद संपन्न होते हैं और खुशहाल जीवन जीते हैं। लेकिन अगर किसी व्यक्ति की हथेली में रेखा जीवन रेखा से निकलते हुए साधारण वाई का निशान बनाए तो इसे अशुभ माना जाता है। यह निशान व्यक्ति के जीवन, जीवन शक्ति को कम करने वाली मानी जाती है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार जिस भी उम्र में यह रेखा जीवन रेखा को काटती है उसी उम्र में व्यक्ति की जीवन शक्ति कमजोर पड़ने लगती है। जीवन शक्ति कमजोर होने का मतलब है व्यक्ति का अत्यधिक बीमार होगा। ऐसा भी संभव है कि व्यक्ति को इतनी परेशानियां घेर लें कि उसकी जीवन के प्रति इच्छा ही खत्म हो जाए।

सर्वोच्च नेताओं की छवि और लोकतंत्र में राजनीतिक विरोधियों से आलोचना सुनने की क्षमता

स्वतंत्रता प्राप्ति की औपचारिक घोषणा से एक दशक पहले 1937 में भारतीयों को स्वशासन का एक अंदाजा मिला था, जब राज के अधीन विभिन्न प्रांतों में सीमित मताधिकार के आधार पर चुनी हुई सरकारें बनी थीं। इसे पूर्ण प्रतिनिधि सरकार की ओर एक कदम की तरह देखा गया। मद्रास प्रेसिडेंसी में कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण करने के थोड़े समय बाद एक तमिल विद्वान ने नेतृत्व के बारे में शानदार भाषण दिया, जिनके विचार आश्चर्यजनक रूप से भारत की आज की राजनीतिक संस्कृति के साथ प्रतिध्वनित होते हैं।

यह विद्वान थे के स्वामीनाथन और तब वह प्रेसिडेंसी कॉलेज में लिटरेचर के प्रोफेसर थे। 1938 में उन्होंने अन्नामलाई यूनिवर्सिटी के छात्रों को बताया कि सार रूप में दो तरह के राजनेता होते हैं, एक वे जो खुद को अपरिहार्य समझते हैं, दूसरे वे जो ऐसा नहीं समझते। उन्होंने बाद वाली श्रेणी के लिए एक नाम चुना और कहा, 'गांधी पिछले तीन-चार वर्षों से अपने उत्तराधिकारियों को प्रशिक्षित करने को लेकर बहुत सतर्क और

चिंतित रहे हैं। उनकी अंतिम इच्छा खुद को अपरिहार्य बनाने की है।...न तो जवाहरलाल नेहरू, न ही राजेंद्र प्रसाद चाहे जो हों, वैसे नहीं होंगे जैसा गांधी चाहते हैं; और न ही वे केवल यस मैन हैं।'

यह शानदार उदाहरण पेश करने के बाद स्वामीनाथन ने एक चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, लेकिन ऐसे भी नेता हैं, जो अपने अनुयायियों पर भरोसा नहीं करते और वे उन्हें काम करने की किसी तरह की स्वतंत्रता नहीं देते, सैन्य अनुशासन का दबाव बनाते हैं, स्वचालन को तरजीह देते हैं। ऐसे नेता इमली के पेड़ की तरह होते हैं, शायद अपने समय में महान और अपने आप में उपयोगी, लेकिन दूसरों के जीवन और विकास के लिए विनाशकारी। वे कोई मतभेद बर्दाश्त नहीं करते, दोस्ताना आलोचना से भी नाराज हो जाते हैं। वे तुर्क की तरह, सत्ता के करीब किसी को नहीं रखते। और जब जाते हैं, तो अपने पीछे उजाड़ छोड़ जाते हैं।

अन्नामलाई यूनिवर्सिटी के छात्रों से स्वामीनाथन ने कहा, आज हमारे देश को जो जरूरत है और हमारे हॉस्टल्स जो पैदा कर सकते हैं वे हैं, राजनेता, जिनमें से प्रत्येक औसत से कुछ बड़ा हो। मैं नहीं समझता कि हमें किसी ऐसे सुपरमैन की जरूरत है, जो कि अपने साथियों से इतना ऊपर हो कि उनके बीच की खाई कभी पाटी न जा सके। हाल ही में मुझे स्वामीनाथन के लेखन को खंगालते समय उनके उस व्याख्यान को देखने का मौका मिला। इसे पढ़कर मैं चौंक गया, क्योंकि उन्होंने 1938 में जो चेतावनियां दी थीं, वे 2022 के भारत में आज कहीं अधिक प्रासंगिक हैं, जब हमारे पास एक ऐसा प्रधानमंत्री है, जिसने पार्टी और सरकार के अकूत धन और इनसे बड़ी संख्या में जुड़े लोगों की मदद से अपने इर्द-गिर्द विश्व इतिहास का सबसे बड़ा छवि निर्माण किया है।

मैंने पहले भी नरेंद्र मोदी के छवि निर्माण और उसके खतरनाक परिणामों के बारे में लिखा है। इसलिए मैं उन तर्कों को यहां नहीं दोहराऊंगा। इसके बजाय मैं इस पर गौर करूंगा

> ***अन्नामलाई यूनिवर्सिटी के छात्रों से स्वामीनाथन ने कहा, आज हमारे देश को जो जरूरत है और हमारे हॉस्टल्स जो पैदा कर सकते हैं वे हैं, राजनेता, जिनमें से प्रत्येक औसत से कुछ बड़ा हो। मैं नहीं समझता कि हमें किसी ऐसे सुपरमैन की जरूरत है, जो कि अपने साथियों से इतना ऊपर हो कि उनके बीच की खाई कभी पाटी न जा सके।***

कि सत्ता के इर्द-गिर्द व्यक्तित्व निर्माण की यह प्रवृत्ति न केवल केंद्र सरकार में, बल्कि कई राज्य सरकारों में भी दिखाई देती है। ममता बनर्जी विधानसभा और संसद के चुनावों के समय नरेंद्र मोदी का भारी विरोध करती हैं, जबकि उनकी खुद की राजनीतिक शैली उनसे उल्लेखनीय रूप से मिलती है। वह अकेले ही तृणमूल कांग्रेस, पश्चिम बंगाल की सरकार और बंगाली लोगों के अतीत, वर्तमान और भविष्य को मूर्त रूप देना चाहती हैं।

अपने राज्य के स्तर पर ममता बनर्जी द्वारा पार्टी, सरकार और लोगों के नेता से सम्मिलन का यह प्रयास देश के स्तर पर नरेंद्र मोदी द्वारा पार्टी, सरकार और लोगों के साथ नेता के सम्मिलन के प्रयास को बारीकी से दर्शाता है। ये समानताएं यहीं खत्म नहीं होतीं। टीएमसी के विधायक और सांसद भय के कारण अपनी मुख्यमंत्री के बारे में उसी तरह से चाटुकारिता भरे शब्दों में बातें करते हैं, जिस तरह से भाजपा सांसद और मंत्री प्रधानमंत्री को लेकर करते हैं। मोदी की तरह ममता भी अपने वफादार और आसानी से काबू में आने वाले नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों के साथ काम करना पसंद करती हैं।

मोदी की तरह ही वह प्रेस की स्वतंत्रता और संस्थाओं की स्वायत्तता को लेकर जुबानी जमा खर्च करती हैं, लेकिन जब उनके शासन को चुनौती मिले, तो वह इस स्वतंत्रता को कुचलने और स्वायत्तता से इनकार करने में देर नहीं करतीं। ममता बनर्जी जो पश्चिम बंगाल में करना चाहती हैं, वही अरविंद केजरीवाल दिल्ली में, पिनरायी विजयन केरल में, आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में, जगन मोहन रेड्डी आंध्र प्रदेश में, के चंद्रशेखर राव तेलंगाना में और अशोक गहलोत राजस्थान में करना चाहते हैं। भारत के विभिन्न हिस्सों में शासन कर रहे ये सातों मुख्यमंत्री सात विभिन्न दलों से संबंधित हैं और ये सभी शासन की अपनी शैली और प्रवृत्ति में सत्तावादी हैं। (मेरी सूची उदाहरणार्थ है, संपूर्ण नहीं- ऐसे कई अन्य मुख्यमंत्री हैं, जो अपने राज्य की पहचान को खुद से जोड़ना चाहते हैं और अपने साथियों से बहुत ऊपर उठना चाहते हैं।)

यदि प्रोफेसर स्वामीनाथन इन मुख्यमंत्रियों को देखने के लिए मौजूद होते, तो शायद उन्होंने इन नेताओं के बारे में कहा होता कि वे कोई मतभेद बर्दाश्त नहीं करते और दोस्ताना आलोचना से भी नाराज हैं। कि वे सक्षम उत्तराधिकारियों को प्रशिक्षित करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाते हुए खुद को अपरिहार्य बनाना चाहते हैं। कि वे खुद को अपने साथियों से इतना ऊपर समझते हैं कि सुपरमैन (या सुपरवुमन) और वे नागरिक जिनके प्रति वे जवाबदेह हैं, के बीच एक गहरी और अगम्य खाई बनी हुई है।

इससे पहले कि मुझ पर समानता का आरोप लगाया जाए, मैं यह बता दूं कि मैं मानता हूं कि ये विभिन्न प्रकार के सत्तावाद हैं, जिनका विभिन्न तरह का प्रभाव है। राष्ट्रीय स्तर पर मोदी और भारत के सबसे बड़े राज्य में आदित्यनाथ, इन दोनों का सत्तावाद बहुसंख्यकवाद है, जो कि धार्मिक अल्पसंख्यकों को कलंकित और उत्पीड़ित करता है। मोदी और आदित्यनाथ मीडिया को दबाने और राजनीतिक विरोधियों को जेल में डालने में सत्ता का कहीं अधिक मनमाना इस्तेमाल करते हैं। यह कहने में शायद ही विवाद हो कि ममता, केजरीवाल और उन जैसों की राजनीति भी उसी तरह से सत्ता और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग से सत्ता के इर्द-गिर्द उनकी छवि निर्माण से जुड़ी है।

सर्वोच्च नेताओं का छवि निर्माण आमतौर पर अधिनायकवादी शासनों में फला-फूला है, चाहे वह सैन्य तानाशाही हो, फासीवादी राज्य या कम्युनिस्ट शासन। यह कल्पना कि एक व्यक्ति, यहां तक कि, विशेष रूप से, यदि वह सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन है, सभी नागरिकों की इच्छा को मूर्त रूप दे सकता है, प्रतिनिधित्व कर सकता है और निर्देशित कर सकता है, लोकतंत्र के विचार के एकदम उलट है। जब हम अपनी स्वतंत्रता के पचहत्तरवें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, हम तेजी से एक ऐसा लोकतंत्र बनते जा रहे हैं, जो सत्तावादी और यहां तक कि निरंकुश प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों द्वारा शासित होता है।

यह हमारी सोच के लिए बुरा है, यह उसे खुला और मुक्त के बजाय जंजीर से जकड़ना और अनियंत्रित बनाना है, और यह हमारे जीवन के लिए भी बुरा है। सत्ता और आत्म-प्रचार से ग्रस्त नेता विकास और शासन की रोजमर्रा की जिम्मेदारियों की उपेक्षा ही करेंगे। निर्णय लेने के सारे अधिकार खुद तक केंद्रित करने वाले तथा मंत्रियों और सार्वजनिक सेवकों पर भरोसा न करने वाले नेता भारत की बात तो छोड़ें, बड़ी आबादी और विविधता से भरे पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में प्रभावी प्रशासन के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते।

संक्षिप्त समाचार

अग्निवीर योजना रू पूर्व सैनिकों की बैठक कर बच्चों से की उपद्रव से दूर रहने की अपील

मथुरा। सैना में अग्निवीर योजना को लागू करने के बाद नवयुवकों के द्वारा किए गए उपद्रवों एवं सरकारी सम्पत्ति को क्षति पहुंचाने के सम्बन्ध में प्रशासन ने पूर्व सैनिकों के साथ बैठक कर नवयुवकों को समझाने की अपील की। इसी के अनुपालन में एस के सिंह चेयरमेन विनायक पैलेस ने पूर्व सैनिकों की महत्वपूर्ण बैठक होटल विनायक पैलेस में आयोजित की और प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने पर सहमति जताई। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिला अध्यक्ष चौधरी रामपाल सिंह ने कहा कि हम सभी मोहल्ला चौपाल लगाकर एवं संघ की शाखाओं के माध्यम से अभिभावकों को अपने बच्चों को समझाकर मार्गदर्शित करने के लिए प्रेरित करेंगे। पूर्व सैनिक शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ रमेश चन्द ने कहा कि अपने पड़ोसियोंए रिश्तेदारों और परिचितों को सही राय देकर बच्चों के भविष्य के बारे सोचते हुए उपद्रव से दूर रखने के लिए प्रेरित करेंगे तथा सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार करेंगे। सभी से आग्रह करेंगे कि अपनी बात सरकार तक पहुंचाने का संवैधानिक तरीका है उसमें उपद्रव के लिए जगह नहीं है। इस बैठक में एस के सिंहए रामपाल सिंहए डॉ रमेश चन्दए चंद्रवीर ए राजबीरए संतोषए चंद्रभान सिंहए आर आर शर्माए राजेशए धर्मवीर सिंहए लखनवीरए ललितए योगेश कुमारए रोहित आदि उपस्थित रहे।

शादी समारोह से लौट रहे कार सवारों को ईको ने मारी टक्कर

मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र अंतर्गत एआरटीओ कार्यालय के निकट बीतीरात शादी समारोह में भाग लेकर लौट रहे तीन युवकों की कार में सामने से आती ईको कार ने टक्कर मार दी। जिससे कार सवार दो भाईयों की मौत हो गई जबकि तीसरा गंभीर घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार हेतु निजी हॉस्पीटल में भर्ती कराया है जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना हाईवे क्षेत्र अंतर्गत एआरटीओ कार्यालय के निकट बीतीरात मयंक और विष्णु तथा दीपक मंडी चौराहे क्षेत्र स्थित एक गेस्टहाउस में आयोजित शादी समारोह में भाग लेकर घर लौट रहे थे कि मंडी समिति की ओर से आती ईको कार ने उनकी कार में टक्कर मार दी जिससे उसमें सवार 22 वर्षीय मंयक पुत्र राकेश कुमार निवासी केशवपुरम कॉलौनी औरंगाबादए 23 वर्षीय विष्णु पुत्र छत्रपाल निवासी नरसीपुर की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची हाईवे पुलिस ने दीपक को निजी हॉस्पीटल में उपचार हेतु भर्ती कराया है जबकि मृतकों के परिजनों को सूचना देते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

संरक्षित कक्ष में लगी आग की मजिस्ट्रेटी जांच आज

मथुरा। उप जिला मजिस्ट्रेट छाता कमलेश गोयल ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि दिनांक 03ण्04ण्2019 को ब्लॉक संसाधन केन्द्र छाता में शैक्षिक सत्र 2019ध्20 के छात्र . छात्राओं के उपयोगार्थ आपूर्तित निःशुल्क जूतों के संरक्षित कक्ष में लगी आग की मजिस्ट्रेटी जांच उप जिला मजिस्ट्रेट छाता द्वारा सम्पादित की जा रही है । उक्त घटना के संबंध में मे यदि किसी को कोई जानकारी ध बयान ध साक्ष्य देना हो तो दिनांक 21ण्06ण्2022 के दोपहर 2रू00 बजे तक उप जिला मजिस्ट्रेट छाता के कार्यालय में उपलब्ध करा सकते हैं।

स्वास्थ्यकर्मियों ने सौंपा सीएमओ को ज्ञापन

मथुरा। स्थानांतरण सत्र 2022.23 में स्थानांतरण नीति के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाने हेतु प्रांतीय नेतृत्व के आहवान पर मिनिस्ट्रियल संघ द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉण्एके वर्मा को अध्यक्ष के पी दत्ता एवं मंत्री पुनीत शर्मा के मार्गदर्शन में समस्त सदस्यों के द्वारा उपमुख्यमंत्रीध्मंत्री चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ के नाम ज्ञापन दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन देते समय अमित कुमार सिंहए विजय प्रताप गोयलए चेतन आनंद श्रीवास्तवए अनिल चतुर्वेदीए अनिल कुमारए रोहित यादवए फरीदा परवीनए वंदना शर्माए अमरीश पाठकए कृष्ण बाबू आदि उपस्थित रहे।

गणपूर्ति के अभाव में पालिका बजट बोर्ड बैठक निरस्त

कोसीकलां। सोमवार को पालिका मे आयोजित हुई बजट बोर्ड बैठक निरस्त कर दी गयी। करीब तीन घंटे इंतजार के बाद गणपूर्ति के अभाव मे बैठक को निरस्त किया गया। अगली बोर्ड बैठक 27 जून का पालिका प्रांगण मे आयोजित होगी। बताते चलें कि इससे पूर्व भी पालिकाध्यक्ष की कार्यप्रणाली से असतुष्ट 19 सभासदों ने अधिशाषी अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौप बोर्ड बैठक निरस्त करने की मांग की गयी थी। सोमवार को पालिका मे बजट बोर्ड का आयोजन किया गयां। जिसके बारे मे मीडिया को भी नहीं बताया गया। बोर्ड बैठक की जानकारी होने के बाद 19 सभासदों ने पालिकाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार पर भ्रष्टाचार सहित मनमानी करने के आरोप लगाते हुए अधिशाषी अधिकारी पुर्णिमा दुवे एवं उपजिलाधिकारी कमलेश गोयल को एक ज्ञापन सौपा जिसमे बोर्ड बैठक को निरस्त करने की मांग की गयी। जिसकी प्रतिलिपी मुख्यमंत्रीए नगर विकास मंत्री सहित जिलाधिकारीए मण्लायुक्त आदि अन्य अधिकारियो के नाम प्रेषित था। लेकिन पालिकाध्यक्ष ने बोर्ड बैठक तय समय तीन बजे प्रारंभ कर दी। लेकिन करीब ढाई घंटे यानि साढे 5 बजे तक इंतजार के बाद 30 सभासदो मे से सिर्फ और सिर्फ 9 सभासद ही बैठक मे पहुच सके। जिसके चलते गणपूर्ति के अभाव मे बोर्ड बैठक को अधिशाषी अधिकारी पुर्णिमा दुवे ने निरस्त कर दिया।

विप्रा के उपाध्यक्ष और विश्व प्रसिद्ध कथावाचक ने किया किडनी एंड लेजर अस्पताल का उद्घाटन

मथुरा। आरएस स्टोन किडनी एंड लेजर हॉस्पिटल का उद्घाटन सोमवार को विश्व प्रसिद्ध कथावाचक विजय कौशल महाराज एवं मथुरा.वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नागेंद्र प्रताप ने किया। इस दौरान मेट्रो अस्पताल फरीदाबाद के डायरेक्टर डॉण् नीरज जैन भी उपस्थित रहे। उद्घाटन करते हुए विजय कौशल महाराज ने कहा कि इस अस्पताल के बनने से पूरे ब्रज क्षेत्र की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधा को मजबूती मिलेगी। उन्होंने अस्पताल के डाइरेक्टर डॉण् संजय अग्रवाल को बधाई दी। विप्रा उपाध्यक्ष नागेंद्र प्रताप ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकारी स्तर पर पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। निजी क्षेत्र के चिकित्सकों द्वारा भी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने से सरकारी प्रयासों को अच्छी गति मिलती है। मैट्रो अस्पताल के डायरेक्टर डाण् नीरज जैन ने कहा की देश की राजधानी दिल्ली के साथ साथ दूरदराज के क्षेत्रों में भी स्तरीय सुविधाओं से युक्त अस्पतालों का निर्माण किया जाना आज के समय की बड़ी जरूरत है।

अधिक फीस वसूली को लेकर विद्यार्थी परिषद ने दिया ज्ञापन

➲राजीव एकेडमी में शिक्षकों ने की छात्रों से मारपीटए शिक्षक हुए निलंबित

मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मेनेजमेंट मथुरा महाविद्यालय में छात्रों से अवैध धन की वसूली करने एवं छात्रों के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट करने के विरोध में सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा कुलपतिए डॉ० भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय को संबोधित ज्ञापन महाविद्यालय निदेशक को देते हुए दोषी शिक्षकों के विरुद्ध कार्यवाही करनेए अवैध रूप से वसूली फीस वापस करने और सभी छात्रों को परीक्षा में शामिल करने की मांग की गई। विद्यार्थी परिषद कार्यकताओं के प्रतिनिधि मंडल के विरोध को देखते हुए निदेशक ने दोषी शिक्षकों को निलंबित कर दिया। साथ ही अवैध रूप से वसूल की गई फीस को वापस करवाने का आश्वासन दिया। गौरतलब हो कि राजीव अकेडमी महाविद्यालय में बी०बी०ए० एवं अन्य संकायों के छात्रों से अवैध वसूली करने के उद्देश्य से संस्थान के शिक्षकों द्वारा छात्रों को मनमाने ढंग से अनुपस्थिति दर्शार्या गया व छात्रों द्वारा फीस रसीद मांगने पर शिक्षक मोहम्मद जाहिद खान और दीपक चौधरी ने छात्रों से गाली.गलौज करते हुए मारपीट की।साथ ही छात्रों को प्रवेश पत्र न देने और परीक्षा में न बैठने की धमकी दी गयी । पीड़ित छात्रों द्वारा प्रकरण अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मथुरा के संज्ञान में आते ही विद्यार्थी परिषद का प्रतिनिधि मंडल छात्रों की समस्या को लेकर महाविद्यालय के निदेशक से मिला और समस्याओं को लेकर कुलपतिए डॉ० बी आर अंबेडकर विश्विद्यालय आगरा को संबोधित ज्ञापन दिया।

निदेशक डॉ० अमर कुमार सक्सेना ने छात्रों के प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि सभी छात्रों को प्रवेश पत्र दिया जाएगा व जिन छात्रों से अवैध वसूली की गई है उन्हें शुल्क वापस की जाएगी। निदेशक ने बताया कि जिन शिक्षकों ने छात्रों से गाली गलौज करते हुए मारपीट की है उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

एबीवीपी प्रतिनिधि मंडल में विभाग सह संयोजक सचिन शर्माए निर्दोष यादव महानगर विस्तारकए अमन शर्मा जिला सह संयोजक ए गौरव सैनी महानगर सह मंत्री ए लोकेश सैनी महानगर एसएफडी प्रमुख ए हीरोलाल महानगर आंदोलन प्रमुख ए उपेंद्र वर्मा महानगर खेल प्रमुखए नयन शर्मा इकाई उपाध्यक्ष ए कृष्णाआचार्य नगर मंत्री ए हर्षित सिसोदिया पूर्व नगर मंत्री ए हर्ष ए मयंकए सनी आदि कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

फूलबंगला में विराजे भगवान गोदा रंगमन्नार, केंद्रीय मंत्री ने किए दर्शन

मथुरा। वृंदावन के रंगनाथ मन्दिर में सोमवार ठाकुर गोदा रंगमन्नार भगवान सुगन्धित पुष्पों से सजे फूलबंगले में विराजित हुए। साल में सिर्फ एक दिन बनने वाले फूलबंगला में विराजमान ठाकुरजी की नयनाभिराम छवि को निहारने के लिए भक्तों की भीड़ मन्दिर परिसर में उमड़ पड़ी। भगवान रंगनाथ के फूल बंगले का दर्शन करने केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजना ज्योति पहुंची और उन्होंने ठाकुर जी का दर्शन किया। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजना ज्योति भगवान रंगनाथ के फूलबंगले में विराजमान होने का दर्शन कर वह अभिभूत हो गई। दर्शन करने पहुंची केंद्रीय मंत्री को मंदिर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनघा श्रीनिवासन ने भगवान का प्रसाद भेंट किया। इससे पूर्व उन्होंने अक्षय पात्र और ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में भी दर्शन कर पूजा अर्चना की। सोमवार केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजना ज्योति ने वृंदावन में कहा अग्निपथ योजना युवाओं के लिए लाभकारी है। अग्निवीर भर्ती को लेकर जो युवा आंदोलन कर रहे हैंए वह पहले योजना की सच्चाई को समझें। यह योजना उनके भविष्य के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस योजना के काफी दूरगामी परिणाम होंगे।

जंतर-मंतर पर सत्याग्रह में शामिल हुए कांग्रेसीए अग्नीपथ योजना का किया विरोध

मथुरा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ सरकार की ष्अग्नीपथ योजनाष् के विरोध में भारतवर्ष के युवाओं के समर्थन में आज दिल्ली स्थितए जंतर मंतर पर किए जा रहे सत्याग्रह में जनपद के कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। सत्याग्रह स्थल पर कांग्रेस कार्यकताओं को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व प्रदेश के नेताओं ने संबोधित कियाए जिनमे प्रमुख रूप से मलिकार्जुन खडगेए रणदीप सिंह सुरजेवालाए इमरान प्रतापगढ़ीए के सी वेणुगोपालनए राजीव रंजनए रोहित चौधरीए कन्हैया कुमारए सलमान खुर्शीद और प्रमोद तिवारी आदि रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी भगवान सिंह वर्मा ने कहा कि जो युवा गरीब होते हुए भी देश प्रेम की भावना से बचपन से कड़ी मेहनत करते हैं और सेना में जाने के लिए लालायित रहते हैं आज उनके उस सपने को मोदी सरकार ने तोड़ दियाए क्योंकि 4 साल के इस कार्यकाल में

17 वर्ष से 22 वर्ष की उम्र तक यानी 4 साल सेना में काम करने के लिए रखा जाएगाए उसके बाद जब उसे रिटायर कर दिया जाएगा तो वह कहां काम करेगा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अग्निवीरों को भाजपा कार्यालय में वॉचमैन की नौकरी पर रखने का जो बयान दिया है वह बहुत ही निंदनीय हैए यह देश के नौजवानों तथा भारत की सेना के लिए अपमान की बात हैए कैलाश विजयवर्गीय को तुरंत भारत के युवाओं एवं भारत की सीमा पर डटे सेना के जवानों से माफी मांगनी चाहिए। दिल्ली स्थित सत्याग्रह में जिला अध्यक्ष चौधरी भगवान सिंह वर्मा के साथ प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश कांग्रेस के सचिव मुकेश धनगरएजिला युवक काँग्रेस के अध्यक्ष प्रवीण ठाकुरए जिला काँग्रेस प्रवक्ता विनोद चतुर्वेदीए बृजेश शर्माए विक्रम बाल्मिकीएजिला सह प्रवक्ता आशीश चतुर्वेदीए आदर्श शर्माए गौरव सिंहए हरीश पचौरीए दिनेश जैनए नीलेश जादौनए ठाकुर नरेश पाल सिंह जसावतए ठाकुर प्रिय पाल सिंहए हरजीत सरदारए प्रदीप सागरए अश्विन शर्माए राजेंद्र प्रसाद शर्माए मोहम्मद यासीनए समीम अब्बासीए डॉ प्रमोद कुमार शर्माए लोकेश शर्माए विजय कुमार चौधरीए रामदेव सोलंकीए धर्मवीर सोलंकीए ठाकुर राजपाल सिंहए ठाकुर साहब सिंहए ठाकुर भगवान सिंहए विवेक शर्माए प्रदीप सांवरियाए वैभव शर्माए डॉक्टर दीपक आर्यए कृष्ण कुमार शर्मा श्गुड्डूश्ए प्रतीक वर्माए मनोज कुमारए इकलाख कुरैशी आदि कार्यकर्ताओ ने भाग लिया।

उत्तर मध्य रेलवे आगरा मंडल का सलाहकार समिति सदस्य बने अखिल अग्रवाल

मथुरा। सांसद हेमामालिनी की संस्तुति पर वृंदावन निवासी अखिल अग्रवाल को मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितिए उत्तर मध्य रेलवे आगरा मंडल का सलाहकार समिति सदस्य बनाया गया है। उनका कार्यकाल 2 वर्ष का होगा। इस अवसर पर सोमवार अखिल अग्रवाल ने कहा कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है वह उसका पूर्ण निष्ठा और लगन से निर्वहन करेंगे। साथ ही ब्रज क्षेत्र में रेलवे के विकास संभावना के सुझाव सांसद एवं मंत्रालय को देकर उनका क्रियांवयन कराने का हर संभव प्रयास करेंगे। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के नेतृत्व में देश.प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर हो रहा है। उनका भी यही प्रयास होगा कि मथुरा.वृंदावन के मध्य रेल सुविधा को सुदृढ़ रुप से सुचारु कराया जा सकेए ताकि देश. विदेश से आने वाले श्रद्धालु एवं पर्यटकों को यातायात की समस्या से निजात मिल सके।

अब मथुरा में भी बीएलके.मैक्स सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल की सेवाएं, न्यूरो सर्जरी ओपीडी का हुआ शुभारंभ

मथुरा। बढ़ती न्यूरो संबंधी बीमारियों के बीच दिल्ली के बीएलके मैक्स सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल ने अब मथुरा में भी हेल्थ केयर करने का कदम उठाया है। मैक्स ने सोमवार अपनी रेगुलर ओपीडी सेवा का शुभारंभ किया है। इस ओपीडी की शुरूआत मथुरा के प्रकाश नर्सिंग होम एंड अस्पताल के साथ मिलकर की गई हैए जिससे न सिर्फ मथुरावासियों को फायदा पहुंचेगा बल्कि आसपास के इलाके के लोग भी यहां इलाज करा सकेंगे।

सोमवार को ओपीडी के शुभारंभ के मौके पर बीएलके मैक्स सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल में न्यूरोसर्जरी एंड न्यूरो स्पाइन के सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर रोहित बंसल ने बताया कि न्यूरो से जुड़ी दिक्कतें अब हर उम्र के लोगों को हो रही हैंए साथ ही ये भी समझाया कि आजकल मिनिलमी इनवेसिव ट्रीटमेंट यानी कम से कम चीर.काट करके बहुत ही सुरक्षित तरीके से दिमाग और रीढ़ की हड्डी जैसे संवेदनशील अंगों के सफल इलाज किए जा रहे हैं।

डॉक्टर रोहित बंसल ने इस दौरान कहाए ष्आजकल हमारे पास ज्यादातर पेशंट्स ऐसे आते हैं जिन्हें सिरदर्दए माइग्रेनए अचानक चक्कर आना या बेहोश हो जानाए चलने में परेशानीए बैलेंस डगमगा जानाए एक या दोनों आंखों से देखने में दिक्कतए बोलने में परेशानीए चबाने में समस्या जैसी प्रॉबलम्स होती हैंण् हम ब्रेन ट्यूमरए कमर के निचले हिस्से में दर्द और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी दिक्कतों का ठीक से पता लगाकर ही इलाज करते है। मथुरा में जो ये ओपीडी शुरू हो रही है इससे यहां के लोगों को बहुत ही अच्छा इलाज मिलेगा और हम उन्हें न्यूरो संबंधी बीमारियों के बारे में जागरुक करेंगे। लोगों में ओपन और पुराने तरीके से किए जाने वाले ऑपरेशन को लेकर डर रहता थाए लेकिन नई तकनीक इस खौफ का खत्म कर दिया है और सर्जरी को 100 फीसदी सुरक्षित बना दिया है।

पुलिस पिकेट की मौजूदगी में फिर हुआ पथराव

मथुरा। पिछले पांच दिन से थाना कोसीकलां के मिश्रित आवादी क्षेत्र स्थित गोपालनगर मे हो रहे जमकर पथराव के साथ फेंकी जा रही कांच की बोतलो को लेकर असामाजिक तत्वो मे पुलिस को खौफ तकरीबन खत्म हो गया है। सादा बर्दी एवं पुलिस की बर्दी मे तैनात पुलिस कर्मियो के सामने भी पथराव होना किसी किसी अनहोनी की आशंका को दर्शा रहा है बावजूद इसके पुलिस मौन है। बताते चलें कि पिछले पांच दिनो से कॉलोनी मे जमकर पथराव हो रहा है साथ ही काचं की बोतले भी फेकी जा रही है। कॉलोनी वासी अभीजीत सिघे सहित अन्य कॉलोनी की तहरीर पर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले से पल्ला झाड लिया। शनिवार को इलाक पुलिस ने दो चेतक कर्मियो को मौके पर तैनात कर दियाए लेकिन असामाजिक तत्व है कि रूकने का नाम ही नहीं ले रहे थे उन्होने चेतक कर्मियो की मौजूदगी मे जमकर पथराव एव बोतलवाजी की। पुलिस कर्मियो की सूचना के बाद भी पुलिस को कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुचा। रविवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक पुलिस पिकेट के साथ साथ छतो पर सादा वर्दी मे पुलिस कर्मियो को तैनात कर दिया। उक्त सभी की मौजूदगी में फिर से पथराव हुआ तो पुलिस कर्मी जिधर से पथराव हो रहा था उधर भागे लेकिन अंधेरे का फायदा उठाते हुए पथराव एवं बोतलवाजी कर रहे असामाजिक तत्व भाग गये। पुलिस की कार्य प्रणाली से आहत कॉलोनी वासी दहशत मे हैं। मामले मे हिन्दूवादी संगठन भी सक्रिय होते नजर आ रहे है। प्रभारी निरीक्षक अनुज राणा ने बताया कि मौके से दो संदिग्ध युवको को पूछताछ के लिए हिरासत मे लिया गया है।

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने अग्नि पथ योजना की बैठक की

मथुरा। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने अवगत कराया है कि अग्नि पथ योजना योजना की बैठक आहूत की गईए जिसमें पूर्व सैनिक बन्धु के सदस्य एवं उनके आश्रित उपस्थित रहे। ले0 कर्नल केपी सिंह द्वारा सैनिक बुन्ध के सदस्यध्पूर्व सैनिकों को अग्नि पथ योजना के अन्तर्गत क्षेत्रीय पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने व शांति व्यवस्था को सुनिश्चित कराने हेतु निर्देशित किया गया। इसके साथ.साथ युवाओं को संबंधित ब्लॉकों में जाकर यह समझाने हेतु प्रेरित किया कि युवा अराजक तत्वों के बहकावे में न आयें और सोशल मीडिया पर किसी भी अफवाहों को फैलाने में सहायक न बनेंए यदि युवाओं की कोई समस्या है तो वे अपना पक्ष प्रशासन के समक्ष लिखित रूप में शांतिपूर्वक ढंग से प्रस्तुत करें।

एटीएम व मोबाइल फोन से हेराफेरी, धोखाधड़ी कर रुपए निकालने वाले दो शातिर गिरफ्तार

मथुरा। थाना महावन पुलिसए एसओजी व सर्विलांस टीम मथुरा के संयुक्त प्रयास से एटीएम व मोबाइल फोन से हेराफरी व धोखाधडी कर रुपए निकालने वाले दो आरोपितों को एसबीआई बैंक के सामने से करीब 50 कदम दूरी पर गौशाला की तरफ जाने वाले रोड से गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से कुल पांच अदद एटीएम कार्डए दो मोबाइल फोनए तथा करीब दस हजार की नगदी बरामद की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकए मथुरा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थानाध्यक्ष महावन के कुशल नेतृत्व में थाना महावन पुलिसए एसओजी व सर्विलांस टीम मथुरा के संयुक्त प्रयास से एटीएम की हेराफेरी कर धोखाधडी कर व्यक्तियों को विश्वास में लेकर

एटीएम से रुपए निकालने वाले तसलीम पुत्र मौहम्मद खाँन निवासी दोसेरसए सचिन वर्मा पुत्र ओमप्रकाश निवासी शंकरपुर पोस्ट ओयल थाना खीरी जनपद लखीमपुर को एसबीआई बैंक के सामने से करीब 50 कदम दूरी पर गौशाला की तरफ जाने वाले रोड से बीती देरशाम गिरफ्तार किया गया । पुलिस ने उनके कब्जे से कुल 05 अदद एटीएम कार्डए 02 अदद मोबाइल फोनए 04 अदद सिम कार्डए 01 अदद आधार कार्डए 01 अदद पेन कार्ड व आम जनता से हेराफेरी व धोखाधडी कर निकाले गये कुल 9660ध. रुपए बरामद किये है। थानाध्यक्ष महावन ने बताया कि ये लोग जगह जगह एटीएम पर जाते हैं तथा जब वहाँ पर कोई व्यक्ति अपने एटीएम से पैसा निकालता हैं तो उसकी मदद करने के बहाने विश्वास में लेकर उसका पिन नम्बर पूछ लेते हैं और फिर झाँसा देकर धोखाधडी व हेराफेरी से अपना एटीएम कार्ड उसके एटीएम कार्ड से बदल देते हैं और अन्य एटीएम पर जाकर उनके खाते से पैसे निकाल लेते है। इसी क्रम में चैकिंग के दौरान एसबीआई बैंक एटीएम के सामने से आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। उनके विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हत्या बचाव करने को आई मृतका की मां को भी चाकुओं के प्रहार से किया गंभीर घायलए खुदकशी करने का किया प्रयास

फेसबुक पर दोस्ती : इंकार करने पर 250 किमी दूर मुजफ्फरनगर से आए सिरफिरे ने चाकुओं से गोदकर मार डाली किशोरी

मथुरा। फेसबुक पर सिरफिरे युवक से किशोरी ने दोस्ती करने से साफ इनकार कर दिया तो वह करीब 250 किमी दूर मुजफ्फरनगर से रविवार की देररात मथुरा पहुंच गया। उसने थाना हाईवे क्षेत्र अंतर्गत नगला बोहरा गांव में स्थित घर में घुसकर किशोरी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बचाने आई किशोरी की मां को भी घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी ने खुद को भी चाकू से मारकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। महिला और आरोपी का उपचार चल रहा है। महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मृतका के पिता की तहरीर पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना हाईवे क्षेत्र के नगला बोहरा में रविवार रात लगभग 9 बजे के करीब रिटायर्ड फौजी तेजवीर के घर में उनकी पत्नी सुनीता और बेटी सोनम (17) थी। तभी वहां मुजफ्फरनगर के नई मंडी थाना क्षेत्र के ककुड़ा का रहने वाला अभि कश्यप (23) शादी का कार्ड देने के बहाने आ गया। चाकू को कार्ड में छिपाया हुआ था, उसने दरवाजा खोलने के लिए खटखटाया। सोनम ने जैसे ही दरवाजा खोला उसने चाकू से हमला कर दिया। मां सुनीता बचाने आई तो उस पर भी सिरफिरे ने चाकू से वार कर डाले। बाद में खुद के सीने पर वार करके खुदकुशी की कोशिश की। इस वारदात को देखकर छोटी बहन तनु और छोटा भाई हेमंत काफी दहशत में हैं।

सोमवार थाना हाईवे थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल ने बताया कि मृतका के पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या और हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार अभी कश्यप ने लड़की से फेसबुक पर दोस्त बनने का अनुरोध किया था जिसे लड़की ने नहीं माना। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि हाईवे थाना क्षेत्र के गांव नगला बोहरा निवासी सेवानिवृत्त फौजी तेजवीर सिंह फरीदाबाद की एक फैक्ट्री में सुरक्षाकर्मी हैं। रविवार की देर शाम वो घर पर नहीं थे। शाम में उनके घर मुजफ्फरनगर के थाना मण्डी क्षेत्र के कुकड़ा गांव का अभी कश्यप उनके घर शादी का कार्ड लेकर पहुंचा। पुलिस उपाधीक्षक धर्मेंद्र चौहान ने बताया कि किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। उसकी मां को सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं आरोपी अभि का भी जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भुवनेश्वर एक से ज्यादा बार मैन ऑफ द सीरीज जीतने वाले पहले भारतीय पेसर बने, टी20 वर्ल्ड कप के लिए ठोकी अपनी दावेदारी

नई दिल्ली, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पांचवां और निर्णायक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला बारिश के कारण सिर्फ 3.3 ओवर के कारण रद्द हो गया जिससे दोनों टीम ने 2-2 से सीरीज शेयर की। दक्षिण अफ्रीका ने शुरुआती दो मैच जीते थे जिसके बाद भारत ने वापसी करते हुए अगले दो मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए सीरीज में बराबरी हासिल कर ली थी। पांचवां और निर्णायक टी20 रद्द होने के बाद भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को पूरी सीरीज में उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द सीरीज खिताब दिया गया। भुवनेश्वर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में छह विकेट चटकाए। उन्होंने सीरीज के चार मैचों में 14.16 की औसत और 10.4 की स्ट्राइक रेट से ये विकेट निकाले। उनके इस प्रदर्शन के लिए भुवी को प्लेयर ऑफ द सीरीज के लिए चुना गया। भुवी से ज्यादा विकेट हर्षल पटेल ने लिए। लेकिन इसके लिए उन्होंने 88 रन दिए भुवनेश्वर ने 85 रन खर्च किए। हर्षल ने पांच मैचों की सीरीज में सर्वाधिक 7 विकेट अपने नाम किए। इनमें 25 रन देकर चार विकेट उनका बेस्ट रहा। वहीं, 13 रन देकर चार विकेट भुवनेश्वर का बेस्ट बॉलिंग प्रदर्शन रहा। हर्षल और भुवी के अलावा युजवेंद्र चहल ने भी सीरीज में छह विकेट अपने नाम किए। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के लिए डवेन प्रिटोरियस ने इस सीरीज में अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 5 विकेट निकाले। भुवी ने अपने इस प्रदर्शन चलते इस साल अक्टूबर नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए भारतीय टीम के लिए अपनी दावेदारी ठोक दी है। भुवी का अनुभव ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम के काफी काम आ सकता है। भुवी ने पावरप्ले के साथ साथ अंतिम ओवरों में भी कमाल की गेंदबाजी की। वह इस टीम में सबसे अनुभवी गेंदबाज थे।भुवनेश्व कुमार ने मैन ऑफ द सीरीज का खिताब जीतने के बाद कहा, 'प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब पाना एक गर्व का विषय है। मैं अभी बिल्कुल फिट हूं। टीम में मेरा रोल अब भी वही है जो पहले थे। मैं पावरप्ले में गेंदबाजी करता हूं। इसके बाद मैं अंतिम ओवरों में भी गेंदबाजी करता हूं। इसके अलावा एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर सभी गेंदबाजों से बात भी करनी होती है। टीम ने मुझे अपनी तरह से गेंदबाज़ी करने की पूरी आजादी दी थी। 'भुवनेश्वर ने इससे पहले 2018 में भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैन ऑफ द सीरीज का खिताब जीता था। तब उन्होंने घर से बाहर वह खिताब अपने नाम किया था।

अय्यर और ऋषभ पंत टेस्ट टीम से जुड़ने के लिए इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना

नई दिल्ली, साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय मध्यक्रम बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इन दोनों बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और अब वे इंग्लैंड में अपनी फॉर्म में लौटना चाहेंगे। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी पहले से ही इंग्लैंड में मौजूद हैं, जहां टीम को पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच खेलना है। भारत और इंग्लैंड के बीच ये सीरीज 2021 में शुरू हुई थी। चार टेस्ट मैचों के बाद भारत 2-1 से आगे था तभी कोरोना के कारण पांचवें और निर्णायक मैच को स्थगित कर दिया गया था। ये मैच अब एक जुलाई से एजबेस्ट में खेला जाएगा। टीम इंडिसा के कई सदस्य पहले से ही इंग्लैंड में पहुंच चुके हैं और उन्होंने वहां पर प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। टेस्ट टीम से जुड़ने के लिए पंत और अय्यर भी अब इंग्लैंड पहुंच रहे हैं। 27 वर्षीय अय्यर ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो पोस्ट की है, जिसमें वह पंत के साथ फ्लाइट के अंदर पोज देते नजर आए। दोनों के साथ टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ भी इंग्लैंड दौरे पर जा रहे हैं, लेकिन वह ऑनलाइन पोस्ट की गई तस्वीर में नहीं दिख रहे थे।भारत के पास 2007 के बाद से पहली बार इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज जीतने का यह अच्छा मौका है। हालांकि टीम के लिए यह आसान नहीं होने वाला है क्योंकि इंग्लैंड ने हाल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के विजेता न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच जीते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में रोहित शर्मा पहली बार विदेशी धरतर पर टीम इंडिया की कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे।

राहुल द्रविड़ ने बताया क्यों इस बार इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच जीतना नहीं होगा पहले जितना आसान

बेंगलुरु, 2021 में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज भारत और इंग्लैंड के बीच शुरू हुई थी। चार टेस्ट मैचों के बाद भारत 2-1 से आगे है और अब इस सीरीज का निर्णायक मैच 2022 में खेला जाना है। कोविड-19 के चलते 2021 में सीरीज का आखिरी टेस्ट स्थगित करना पड़ा था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के बीच तमाम चर्चा के बाद इकलौता टेस्ट अलग से कराने का फैसला लिया गया। इस इकलौते टेस्ट मैच को लेकर हेड कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि पिछली बार सीरीज में इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड से हारने के बाद आई थी और इस पर वह उसे हराकर उतरेगी। हालांकि द्रविड़ ने साथ ही कहा कि भारतीय टीम भी मजबूत है और एजबेस्टन में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।2021 में सीरीज का आखिरी मैच ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाना था, लेकिन इस बार मैच एजबेस्टन में खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड दोनों ही टीमों में उसके बाद से बड़े बदलाव हुए हैं। दोनों ही टीमों के हेड कोच और कप्तान बदल चुके हैं। भारत के हेड कोच उस समय रवि शास्त्री और कप्तान विराट कोहली थे, इस बार हेड कोच राहुल द्रविड़ हैं जबकि कप्तानी रोहित शर्मा के हाथों में है। वहीं इंग्लैंड के नए हेड कोच ब्रेंडन मैक्कलम हैं और नए कप्तान बेन स्टोक्स।राहुल द्रविड़ ने इस इकलौते टेस्ट को लेकर कहा, 'यह सिर्फ एक टेस्ट मैच नहीं है, बल्कि इस पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के प्वॉइंट्स भी दांव पर लगे हुए हैं। जिन्होंने पिछले साल यह सीरीज खेली थी और भारत को बढ़त दिलाई थी, वे इस सीरीज को जीतने के लिए पूरी जान लगा देंगे। इंग्लैंड इस समय काफी अच्छा खेल रहा है, इसका भी हमें ध्यान रखना होगा। 'द्रविड़ ने आगे कहा, 'जब हम पिछले साल इंग्लैंड से भिड़े थे तो परिस्थितियां कुछ अलग थीं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रीलंका की रिकॉर्ड रन चेज, पथुम निसानका के शतक से मेजबानों ने दर्ज की यादगार जीत

नई दिल्ली, श्रीलंका ने तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से धूल चटाकर 5 मैचों की इस सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। सीरीज का पहला मैच हारने के बाद मेजबान टीम की यह जोरदार वापसी है। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में श्रीलंका की जीत के हीरो पथुम निसानका रहे जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम की रिकॉर्ड रन चेज में शानदार शतक जड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम के सामने 292 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था, इस स्कोर को लंका ने 9 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। निसानका को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कंगारू टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पहला विकेट टीम का डेविड वॉर्नर के रूप में गिरा जो 9 के निजी स्कोर पर आउट हुए। वहीं चोटिल स्टीव स्मिथ की जगह टीम में आए मार्श भी 10 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान एरॉन फिंच (62) ने तीसरे विकेट के लिए लाबुशेन (29) के साथ 69 रनों की साझेदारी कर टीम को मुश्किल से निकाला। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने 49 तो ट्रेविस हेड ने 70 रन की नाबाद पारी खेली। वहीं अंत में आकर ग्लेन मैक्सवेल ने एक बार फिर कमाल दिखाया और 18 गेंदों पर 33 रन ठोक दिए। ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 291 रन बनाए। श्रीलंका के लिए जेफरी वेंडरसे ने सबसे अधिक तीन विकेट लिए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम को निरोशन डिकवेला (26) और पथुम निसानका ने अच्छी शुरुआत देते हुए पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। डिकवेला के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए कुसल मेंडिस ने निसानका के साथ ऐसे पांव जमाए की ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए। दोनों खिलाड़ियों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। 87 के निजी स्कोर पर मेंडिस चोट के चलते मैदान छोड़कर चले गए, मगर उनके साथी निसानका ने वनडे करियर का पहला शतक जड़ टीम को करीब लेकर गए। झाय रिचर्डसन ने 47वें ओवर में निसानका (137) और शनाका को आउट कर लगातार दो झटके दिए, मगर ऑस्ट्रेलिया तब तक मैच से अपनी पकड़ खो चुका था। श्रीलंका की यह इस मैदान पर भी अब तक की सबसे बड़ी रन चेज है।

इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में नीदरलैंड्स 6 विकेट से रौंदा, सीरीज पर किया कब्जा

नई दिल्ली, इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने रविवार को दूसरे वनडे में नीदरलैंड्स को 6 विकेट से मात देकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। मेजबान नीदरलैंड्स ने एम्सटेलवीन के वीआरए क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए वर्षा बाधित मुकाबले में 7 विकेट पर 235 रन का स्कोर बनाया, जिसे वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड ने 4 विकेट खोकर 29 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। बारिश के कारण मैच को 41-41 ओवरों का कर दिया गया था। इंग्लैंड के लिए फिल साल्ट ने 54 गेंदों पर 77, अपना 100वां इंटरनेशनल मैच खेल रहे जेसन रॉय ने 60 गेंदों पर 73, डेविड मलान ने 50 गेंदों पर नाबाद 36 और मोईन अली ने 40 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाए। नीदरलैंड्स की ओर से आर्यन दत्त ने सर्वाधिक दो विकेट निकाले।नीदरलैंड्स के लिए कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने 73 गेंदों पर चार चौके और तीन छक्के की बदौलत 78 रनों की कप्तानी पारी खेली। उनके अलावा बास डलीडे ने 34, लोगन वैन बीक ने 30 और अनिल तेजा ने 28 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए डेविड मिली और आदिल राशिद को दो-दो सफलता मिली। दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम मैच इसी मैदान पर बुधवार को खेल जाएगा।इंग्लैंड ने इससे पहले, पहले मैच में वनडे क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने के बाद नीदरलैंड्स को 232 रनों से करारी मात दी थी। पहले वनडे में इंग्लैंड के तीन बल्लेबाजों, फिल साल्ट, डेविड मलान और जॉस बटलर के शतकों की बदौलत 4 विकेट पर 498 रन का विशाल स्कोर बनाया था, जोकि वनडे क्रिकेट इतिहास में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर था। नीदरलैंड्स की टीम इस सबसे बड़े स्कोर के सामने दो गेंद शेष रहते 266 रन पर ढेर हो गई थी।

वेदांता के शेयरों में बड़ी गिरावट, इस खबर की वजह से 15% लुढ़क गए शेयर!

नई दिल्ली, वेदांता के शेयरों में आज सुबह से ही लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर में 15इ नीचे आकर 52 सप्ताह के न्यूनतम स्तर 224 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहे थे। कंपनी के शेयरों में गिरावट की बड़ी वजह कंपनी के द्वारा तमिलनाडु में बंद पड़े कॉपर प्लांट के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट मंगाया जाना है। सरल शब्दों में कहा जाए तो कंपनी इस प्लांट को बेचने जा रही है। कंपनी का यह विवादित प्लांट मई 2018 से बंद है। प्लांट के खिलाफ काफी प्रदर्शन हुआ था। इस प्लांट पर पर्यावरण के नियमों को ना मानने का आरोप है। लेकिन कंपनी अपने ऊपर लगने वाले सभी आरोपों को खारिज करती रही है। कंपनी तमिलनाडु राज्य सरकार के द्वारा प्लांट बंद करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हालांकि, इस पूरे मसले पर सर्वोच्च न्यायालय कब सुनवाई करेगा यह स्पष्ट नहीं है। बता दें, इस कंपनी पर मालिकाना अरबपति उद्योगपति अनिल अग्रवाल के पास है। जब यह प्लांट बंद हुआ तब इसमें 5 हजार से अधिक कर्मचारी काम कर रहे थे। वहीं, 25,000 से अधिक लोगों को इसके जरिए अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला था। वहीं, इस प्लांट का भारत के कॉपर उत्पादन 40इहिस्सेदारी थी। कंपनी की तरफ इस प्लांट के लिए बोली 4 जुलाई शाम 6 बजे तक मंगाई गई है। अरबपति उद्योगपति अनिल अग्रवाल ने मार्च 2021 में कहा था कि वो राज्य सरकार के साथ 100 अरब रुपये का प्लांट लगाना चाहते हैं। कंपनी का दावा है कि इसके जरिए 10 हजार लोगों को नौकरी मिलेगी। साथ ही तब कंपनी की तरफ से कहा गया था कि उसे पोर्ट के नजदीक 1 हजार एकड़ जमीन की तलाश है। 20 मई 2022 को कंपनी के शेयर की कीमत 314.40 रुपये थी। लेकिन तब से अबतक यानी इस एक महीने के दौरान यह 90 रुपये प्रति शेयर घटकर 223.20 रुपये के लेवल पर आ गई है। इस साल के शुरुआत में जिस किसी निवेशक ने दांव लगाया होगा वह अभी नुकसान ही उठा रहा होगा।

हाजिर मांग के कारण कच्चे तेल वायदा भाव में तेजी

नयी दिल्ली,एजेंसी। मजबूत हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को कच्चा तेल की कीमत 94 रुपये की तेजी के साथ 8,467 रुपये प्रति बैरल हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 94 रुपये या 1.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,467 रुपये प्रति बैरल हो गयी। इसमें 3,978 लॉट का कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा बाजार में कच्चातेल कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 109.64 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। वहीं ब्रेंट कच्चा तेल का दाम 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 113.19 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

कमजोर मांग की वजह से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली,एजेंसी। हाजिर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को एल्युमीनियम की कीमत 1.95 रुपये की गिरावट के साथ 213.40 रुपये प्रति किलो रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून माह में डिलिवरी के लिए एल्युमीनियम का भाव 1.95 रुपये यानी 0.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ 213.40 रुपये प्रति किलो रह गया। इसमें 2,759 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की मांग घटने के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा बाजार में एल्युमीनियम कीमतों में गिरावट आई।

इस्पात उत्पादों पर शुल्क लगाना उद्योग के लिए झटकाः आईएसएसडीए

नयी दिल्ली,एजेंसी। इस्पात उद्योग के निकाय आईएसएसडीए ने इस्पात उत्पादों पर शुल्क लगाने वाले सरकार के कदम को श्बिना सोचे-समझेश् उठाया गया कदम बताते हुए कहा है कि इससे घरेलू इस्पात उद्योग को झटका लगा है। सरकार ने गत 21 मई को इस्पात उद्योग में कच्चे माल के तौर पर इस्तेमाल होने वाले कोकिंग कोल और फेरोनिकल के आयात पर सीमा शुल्क माफ करने की घोषणा की थी। इसके साथ ही लौह अयस्क के निर्यात पर लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत तक और कुछ अन्य इस्पात सामग्रियों पर 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की भी घोषणा की थी। इंडियन स्टेनलेस स्टील डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईएसएसडीए) के अध्यक्ष के के पाहूजा ने एक बयान में कहा, श्निर्यात शुल्क को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने के फैसले ने घरेलू इस्पात उद्योग को तगड़ा झटका दिया है। घरेलू इस्पात कंपनियां तो वर्ष 2030 तक इस्पात क्षमता को दोगुना कर 30 करोड़ टन करने के सरकार के महत्वकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने की कोशिश में लगा हुआ था। उद्योग विशेषज्ञ ने कहा कि निर्यात शुल्क बढ़ाने के पीछे सरकार का उद्देश्य इस्पात की कीमतों को कम करना था। हालांकि कीमतों में गिरावट का रुख दिखना शुरु हो गया था। हालांकि पाहूजा ने कुछ आयातित कच्चे माल पर सीमा शुल्क घटाने के फैसले की सराहना भी की।

ऑयल एंड गैस और मेटल कंपनियों के शेयर औंधेमुंह गिरे

नई दिल्ली, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच आज निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में दोपहर पौने दो बजे तक भारी गिरावट दर्ज की जा चुकी थी। ऑयल एंड गैस इंउेक्स में शमिल स्टॉक्स में गुजरात गैस को छोड़ सभी स्टॉक्स लाल निशान पर थे। सबसे बड़ी गिरावट ऑयल इंडिया के शेयरों में हुई। ऑयल इंडिया के शेयर दोपहर तक 12.92 फीसद टूट चुके थे। इसके अलावा अडानी टोटल गैस 7.54 फीसद टूटकर 1997.05 पर था। वहीं मेटल इंडेक्स में शामिल कंपनियां लाल निशान पर थीं।गेल आज 139.95 रुपये पर खुलकर 129.20 रुपये तक लुढ़क गया। पौने दो बजे के करीब एनएसई पर यह 129.50 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं, ओएनजीसी आज 138.60 रुपये पर खुलकर 130.00 रुपये तक आ गया और 131.85 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा आईओसी, बीपीसीएल, हिन्दुस्तान पेट्रो, रिलायंस, बीपीसीएल, आईजीएल जैसे दिग्गज स्टॉक्स भी लाल निशान पर थे।सभी सेक्टोरल इंडेक्स में आज मेटल इंडेक्स की हालत बहुत ही खराब है। निफ्टी मेटल इंडेक्स 5.14 फीसद लुढ़क कर 4458 पर आ गया है।

टाटा ग्रुप के इस शेयर से हुई छप्परफाड़ कमाई, 1 लाख के हुए 22 लाख रुपये

नई दिल्ली, शेयर बाजार में पैसा लगाने को लेकर एक्सपर्ट्स हमेशा यही सलाह देते हैं कि निवेश से पहले अच्छे से रिसर्च जरूर कर लें और अगर आपको लगता है कि आपने सही जगह निवेश किया है तो फिर उस पर भरोसा बनाए रखें। अमूमन देखा जाता है कि मजबूत फंडामेंटल्स और अच्छे मैनजमेंट वाली कंपनियों के शेयर लॉन्ग टर्म में बेहतर रिटर्न देते हैं। टाटा ग्रुप के एक ऐसे ही शेयर ने लॉन्ग टर्म निवेशकों को मालामाल कर दिया है। यह शेयर टाटा स्टील का है, जिसका शेयर प्राइस कभी 40 रुपये से कम था, लेकिन अब 850 रुपये को पार कर गया है। टाटा स्टील के शेयरों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। टाटा स्टील के शेयर 21 सितबंर 2001 को BSE में 39.68 रुपये के स्तर पर थे। वहीं, आज यानी 20 जून 2022 को शेयरों की कीमत बढ़कर 866.40 रुपये के लेवल पर पहुंच गई है। यानी, जिस किसी ने एक लाख रुपये का निवेश कंपनी में 21 सितंबर 2001 को किया होगा तो उसका रिटर्न बढ़कर 21.86 लाख रुपये हो गया है। यानी इस दौरान निवेशकों को करीब 21 लाख रुपये का फायदा हुआ है। अगर हम पिछले पांच साल के प्रदर्शन पर नजर दौड़ाएं तो कंपनी के एक शेयर का भाव 23 जून 2017 को 386.51 रुपये था। जो कि 867.60 रुपये के लेवल पर है। यानी दोगुना मुनाफा इस दौरान देखने को मिला है। पिछले 52 सप्ताह में कंपनी के शेयर अपने आल टाइम हाई 1519.15 रुपये के लेवल पर पहुंच गए थे। मौजदा समय में यह स्टॉक अपने 52 सप्ताह के सबसे न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। बीते एक महीने के दौरान जिस किसी ने इस स्टॉक पर भरोसा जताया होगा उसे नुकसान उठाना पड़ा होगा। 20 मई को टाटा स्टील के एक शेयर का भाव 1170.20 रुपये था। तब से आज (20 जून 2022) तक कंपनी का स्टॉक प्राइस लगभग 300 रुपये घटकर 867 रुपये का लेवल पर आ गया है।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार में तबाही

नई दिल्ली, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजारों में बिकवाली का सिलसिला जारी है। एफपीआई 2022 में अबतक भारतीय शेयर बाजारों से 1.99 लाख करोड़ रुपये अधिक की निकासी कर चुके हैं। बता दें सेंसेक्स इस साल अब तक 58310 के स्तर से 6949 अंक लुढ़क चुका है। शुक्रवार को यह 51,360 के स्तर पर बंद हुआ। अगर साल 2022 के उच्च स्तर 61475 से तुलना करें तो सेंसेक्स में यह गिरावट बढ़कर 10154 अंकों की हो जा रही है।कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड के इक्विटी शोध प्रमुख (खुदरा) श्रीकांत चौहान ने कहा, जब तक विदेशी निवेशक बिकवाल रहेंगे, तब तक बाजारों के लिए बढ़त में आना मुश्किल है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, ऊंची मुद्रास्फीति तथा सख्त मौद्रिक रुख के मद्देनजर अभी एफपीआई की बिकवाली जारी रह सकती है।मई में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों से करीब 39,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। अमेरिका में बांड पर यील्ड बढ़ने, डॉलर की मजबूती और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और आक्रामक वृद्धि की संभावना के बीच एफपीआई भारतीय बाजार में बिकवाल बने हुए हैं।अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि, ऊंची मुद्रास्फीति तथा शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली जून में भी जारी है। इस महीने अबतक एफपीआई भारतीय शेयरों से 31,430 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। चालू साल यानी 2022 में एफपीआई अबतक 1.98 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेच चुके हैं।

लोकतंत्र का मुखौटा पहनकर राजनीति कर रहे हैं मोदी और शाहः गहलोत

नयी दिल्ली,एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व पर 'फासीवादी' होने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह लोकतंत्र का मुखौटा पहनकर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने 'अग्निपथ' योजना और राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के खिलाफ आयोजित कांग्रेस के 'सत्याग्रह' में भाग लेते हुए कहा, ''कांग्रेस के कार्यकर्ता गांधी जी के विचारों के आधार पर सत्याग्रह कर रहे हैं। कहीं आपने पथराव देखा? कहीं आगजनी देखी?'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने दावा किया, ''मोदी सरकार के आदेश पर दिल्ली पुलिस अत्याचार कर रही है। पुलिस कांग्रेस

के मुख्यालय में घुस गई और कार्यकर्ताओं, पत्रकारों की पिटाई। अगर जिन राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं, इसी तरह का व्यवहार वो सरकारें भाजपा के दफ्तरों में करने लगें, तो फिर क्या स्थिति बनेगी?''उन्होंने कहा, ''ये लोग फसीवादी हैं। मोदी जी, अमित शाह जी और इनका पूरा कुनबा लोकतंत्र का मुखौटा पहनकर राजनीति कर रहे हैं। अगर ये लोकतांत्रिक होते तो राहुल जी को पूछताछ के लिए कभी नहीं बुलाते....सोनिया गांधी जी बीमार हैं और उनको नोटिस दे रहे हैं। कितने बेशर्म लोग हैं।'' गहलोत ने कहा, ''भाजपा के नेताओं को इससे कोई मतलब नहीं है कि लोग क्या कहेंगे। ये सिर्फ ध्रुवीकरण की राजनीति करना जानते हैं।''उन्होंने कहा, ''मोदी जी ने कभी इंदिरा गांधी जी का नाम लिया? इंदिरा जी ने पहला परमाणु विस्फोट किया, पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए, अपनी शहादत दे दी, लेकिन खालिस्तान नहीं बनने दिया। ये इंदिरा जी का नाम तक नहीं लेते।''गहलोत ने आरोप लगाया, ''आरएसएस और भाजपा के लोगों ने देश में लूट मचा रखी है... कारोबारियों को धमकी देकर चंदा वसूला जा रहा है।''उन्होंने यह भी कहा कि सरकार 'अग्निपथ' के रूप में खतरनाक योजना लेकर आई है।गहलोत ने अपने भाई अग्रसेन गहलोत के आवास पर सीबीआई की छापेमारी का उल्लेख करते हुए कहा कि जो राजनीति में नहीं है,

दिल्ली की प्रगति मैदान सुरंग यातायात के लिए खुली

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रगति मैदान इंटीग्रेटेड कोरिडोर परियोजना की नवनिर्मित मुख्य सुरंग को सोमवार को यातायात के लिए खोल दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इस सुरंग का उद्घाटन किया था। अधिकारियों ने बताया कि कुछ दिनों तक सुरंग परीक्षण के आधार पर सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक यातायात के लिए खुली रहेगी। भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''सुरंग में वाहनों की आवाजाही आज सुबह शुरू हुई। यातायात पुलिस और पीडब्ल्यूडी अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए वाहनों की आवाजाही पर करीबी नजर रखेंगे कि सब कुछ सुचारू रूप से चले।'' यात्रियों ने सुरंग खोले जाने का स्वागत किया है।उत्तर प्रदेश के इंदिरापुरम निवासी आशिमा गौड़ ने कहा कि सुरंग से यात्रियों का काफी समय बचेगा।

काबुल में मारे गए सविंदर सिंह के परिजनों ने किया खुलासा- उन पर चलाई गई थी कई गोलियां

नयी दिल्ली।अफगानिस्तान में एक गुरुद्वारे पर हुए आतंकवादी हमले में मारे गए सविंदर सिंह के परिवार के एक सदस्य ने दिल्ली में बताया कि जिस वक्त उन पर हमला किया गया, वह स्नान कर रहे थे और उन पर कई गोलियां चलाई गईं। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शनिवार को गुरुद्वारा करते परवान में कई विस्फोट हुए, जिनमें एक सिख सहित दो लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, अफगानिस्तान के सुरक्षाकर्मियों ने विस्फोटक भरे एक वाहन को गुरुद्वारे में प्रवेश करने से रोककर एक बड़ी घटना को टाल दिया। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है और इसे पैगंबर मोहम्मद के ''समर्थन में किया हमला'' बताया है। नयी दिल्ली में सविंदर सिंह का परिवार उनके निधन की खबर सुन कर स्तब्ध रह गया। सिंह की पत्नी के भाई पुपेंद्र सिंह (36) ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया उनकी बहन की रो-रोकर तबियत खराब हो गई है।सविंदर सिंह सेवा करने के लिए गुरुद्वारा करते परवान गए थे और उसके परिसर में बने एक कमरे में ही ठहरे थे। उन्होंने कहा, '' काबुल में रहने वाले मेरे छोटे भाई का कल फोन आया और उन्होंने गुरुद्वारे पर हुए हमले की जानकारी दी। वह टैक्सी में अपने दोस्तों के साथ जलालाबाद जा रहे थे, लेकिन हमले के बारे में पता चलते ही वे काबुल निकल गए।'' काबुल में जन्मे पुपेंदर ने बताया कि वह अफगानिस्तान के एक सिख परिवार से हैं और सविंदर सिंह तथा परिवार के कई अन्य सदस्य का जन्म अफगानिस्तान में हुआ और वहीं पले-बढ़े। उन्होंने कहा, '' जब मेरा भाई काबुल पहुंचा, तब तक तालिबानी बल भी वहां पहुंच चुका था। गुरुद्वारे में कई विस्फोट हुए थे। मेरे भाई ने सविंदर का शव देखा और मुझे फोन करके बताया कि ''वह शहीद हो गए हैं''। हमारे पास उनके शव की तस्वीरें और वीडियो हैं। उनके सीने पर दो जगह गोली लगने के निशान हैं। उन्हें कई गोलियां मारी गईं, मेरे भाई ने मुझे बताया कि वह गुसलखाने में नहा रहे थे, जब उन पर गोलियां चलाई गईं। दरवाजा टूटा हुआ था।

'' पुपेंद्र ने बताया कि यह कहर उनके परिवार पर दूसरी बार बरपा है।2018 में जलालाबाद में हुए एक आत्मघाती हमले में उनके मामा मारे गए थे।पुपेंद्र 2010 में दिल्ली आ गए थे। उन्होंने बताया कि अगस्त 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान को अपने नियंत्रण में लेने के बाद उनका परिवार चाहता था कि सविंदर सिंह भी भारत आ जाएं, लेकिन वीजा ना मिलने के कारण वह यहां नहीं आ पाए। इस बीच, गुरुद्वारे पर हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने अफगानिस्तान में रह रहे 100 से अधिक सिखों और हिंदुओं को ई-वीजा दिया है।

सीरिया में सेना की बस पर किया हमला, 13 सैनिकों की गई जान

दमिश्क। उत्तरी सीरिया में सोमवार को सेना की एक बस पर किये गये हमले में 13 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गये। सीरिया की सरकारी मीडिया ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। सरकारी टीवी के मुताबिक यह हमला रक्का प्रांत में किया गया, जो कभी चरमपंथी संगठन 'इस्लामिक स्टेट' के कब्जे में था। खबर में यह नहीं बताया गया है कि बस पर घात लगाकर मशीनगन से गोलीबारी की गई या यह किसी मिसाइल या सड़क पर किये गये बम धमाके का शिकार हुई। हमले की अभी किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन संकेत मिले हैं कि हमले के पीछे आईएस आतंकियों का हाथ हो सकता है।आईएस के आतंकियों ने इससे पहले पिछले कुछ महीनों के दौरान इस

तरह के कई हमले किये हैं, जिसमें दर्जनों लोगों ने अपनी जान गंवाई या घायल हुए हैं। आतंकवादियों ने वर्ष 2014 में इराक और सीरिया, दोनों के एक तिहाई हिस्से में तथाकथित 'खिलाफत' की घोषणा की और रक्का शहर उनकी वास्तविक राजधानी थी। वर्ष 2019 में वे हार गए थे, लेकिन आईएस के 'स्लीपर सेल' अब भी सक्रिय हैं और घातक हमले कर रहे हैं। सीरियाई अधिकारी नियमित रूप से इस तरह के हमलों के लिए इस्लामिक स्टेट को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। पूर्वी, उत्तरी और मध्य सीरिया में आतंकवादियों के 'स्लीपर सेल' सक्रिय हैं।

गर्भवती महिलाओं को नौकरी के लिए 'अस्थायी रूप से अयोग्य बताना इंडियन बैंक को पड़ा महंगा

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने 'इंडियन बैंक को नोटिस जारी करके उससे अपने इस दिशा-निर्देश को वापस लेने को कहा है, जिसके तहत तीन माह या उससे अधिक समय की गर्भवती महिलाओं को नौकरी के लिए ''अस्थायी रूप से अयोग्य करार दिया गया है। बैंक के इस कदम की विभिन्न संगठनों ने कड़ी आलोचना की है, लेकिन उसने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले, जनवरी में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इसी प्रकार के नियम लागू किए थे। नियमों के तहत तीन माह से अधिक अवधि की गर्भवती महिला उम्मीदवारों को ''अस्थायी रूप से अयोग्य माने जाने की बात कही गई थी। इस प्रावधान को श्रमिक संगठनों और दिल्ली के महिला आयोग समेत समाज के कई तबकों ने महिला-विरोधी बताते हुए निरस्त करने की मांग की थी। इसके बाद एसबीआई को इस नियम को ठंडे बस्ते में डालना पड़ा था। डीसीडब्ल्यू ने अपने नोटिस में कहा कि इंडियन बैंक का यह कदम ''भेदभावपूर्ण और अवैध है क्योंकि यह श्सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020श् के तहत प्रदान किए गए मातृत्व लाभों के विपरीत है। उसने कहा, इसके अलावा, यह लिंग के आधार पर भेदभाव करता है जो भारत के संविधान के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों के खिलाफ है। डीसीडब्ल्यू ने एक बयान में बताया कि उसने इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक को भी पत्र लिखा है। डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि पैनल ने इंडियन बैंक द्वारा कर्मचारियों की भर्ती के नए दिशानिर्देश जारी किए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट का स्वतरू संज्ञान लिया है। आयोग ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बैंक द्वारा हाल में जारी एक परिपत्र के तहत नियत प्रक्रिया के माध्यम से चुने जाने के बावजूद उन महिलाओं को सेवा में शामिल होने से रोक दिया गया है, जो तीन महीने से अधिक की गर्भवती हैं। उसने कहा, ''बैंक ने नियम बनाए हैं जिनमें कहा गया है कि यदि कोई महिला उम्मीदवार तीन महीने की गर्भवती है, तो उसे 'अस्थायी रूप से अयोग्य माना जाएगा और वह चयन होने के बाद भी तत्काल कार्यभार ग्रहण नहीं कर पाएगी। इससे उनके नौकरी शुरू करने में देरी होगी और बाद में वे अपनी वरिष्ठता खो देंगी। डीसीडब्ल्यू ने कहा, ''आयोग ने इंडियन बैंक को नोटिस जारी किया है और उससे नए महिला विरोधी दिशानिर्देशों को वापस लेने को कहा है। पैनल ने बैंक को 23 जून तक मामले में की जाने वाली कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। मालीवाल ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर को भी पत्र लिखा है।

संक्षिप्त खबरें.....

अमेरिका को झटका, चीन ने किया हवा में दुश्मन की मिसाइल को मार गिराने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया

बीजिंग।चीन ने बीच हवा में ही दुश्मन की मिसाइल को मार गिराने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने रविवार देर रात जारी एक संक्षिप्त बयान में मिसाइल के बारे में कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन कहा कि यह परीक्षण पूरी तरह से रक्षात्मक प्रकृति का था और किसी भी देश के प्रति लक्षित नहीं था।चीन की रक्षा प्रणाली में मिसाइलें एक प्रमुख घटक हैं और उसके अंतरिक्ष कार्यक्रम की नींव हैं। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है, जब चीन स्वशासित ताइवान के खिलाफ आक्रामकता बढ़ा रहा है। वह ताइवान पर अपना दावा जताता है और कहता है कि जरूरत पड़ने पर ताइवान पर कब्जे के लिए सैन्य बलों का इस्तेमाल किया जा सकता है। ताइवान को लेकर संघर्ष की स्थिति में अमेरिका हस्तक्षेप कर सकता है। दरअसल, अमेरिका ताइवान के लिए हथियारों का मुख्य आपूर्तिकर्ता है और उस पर मंडराते खतरे को ''गंभीर चिंता'' का विषय मानने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है। चीन का दक्षिण चीन सागर के कुछ हिस्सों को लेकर फिलीपीन, वियतनाम और अन्य देशों से भी विवाद है। चीन को यूक्रेन पर हमले में रूस का समर्थन करते हुए भी देखा जा रहा है। हालांकि, उसने रूस को रक्षा संबंधी सहयोग मुहैया नहीं कराया है।

नाइजीरिया में दो गिरजाघरों पर हमला, तीन लोगों की मौत

अबुजा (नाइजीरिया)। पश्चिमोत्तर नाइजीरिया में दो गिरजाघरों पर बंदूकधारियों के हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों और एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। कुछ ही सप्ताह पहले इस पश्चिम अफ्रीकी देश में हुए इसी प्रकार के हमले में 40 लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि कादुना राज्य के काजुरु में हुए हमले में चार गांवों को निशाना बनाया गया, लोगों का अपहरण किया गया और कई घरों को नष्ट किया गया। इसके बाद हमलावर फरार हो गए। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि कादुना में गिरजाघर पर हमले के पीछे किसके हाथ था।प्रत्यक्षदर्शी उस्मान दानलाडी ने बताया कि लोग रविवार सुबह कादुना के रुबु समुदाय के मरानथा बैपटिस्ट चर्च और सेंट मूसेस कैथोलिक चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तभी ''वे (हमलावर) आए और उन्होंने एक ही इलाके में स्थित इन गिरजाघरों को घेर लिया।'' उसने कहा कि इससे पहले कि लोग उन्हें देख पाते, उन्होंने गिरजाघरों में हमला करना शुरू कर दिया।उन्होंने बैपटिस्ट चर्च से लोगों का अपहरण कर लिया और कैथोलिक चर्च में तीन लोगों की हत्या कर दी। कादुना राज्य सरकार ने गांवों पर बंदूकधारियों के हमले में तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है। कादुना के सुरक्षा आयुक्त सैमुअल अरुवान ने बताया कि इलाके में सुरक्षा गश्त की जा रही है और मामले की जांच जारी है। 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया' ने रविवार को हुए हमले की निंदा की।

शीर्ष अदालत ने विधान परिषद चुनाव में वोट डालने के लिए मलिक एवं देशमुख को नहीं दी जमानत

नयी दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में मत डालने के लिए जेल से अस्थायी रिहाई संबंधी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दो नेताओं नवाब मलिक और अनिल देशमुख के अनुरोध को खारिज कर दिया। महाराष्ट्र विधान परिषद की 10 सीट के लिए सुबह से मतदान जारी है। हालांकि न्यायमूर्ति सी. टी. रविकुमार और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अवकाशकालीन पीठ जन प्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा 62 (5) का व्याख्या पर गौर करने को लेकर सहमत हो गयी। यह धारा जेल में बंद व्यक्तियों को मताधिकार से वंचित करती है। इससे पहले बंबई उच्च न्यायालय ने 17 जून को महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख द्वारा विधान परिषद चुनाव में मतदान की अनुमति के अनुरोध वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। मलिक और देशमुख अलग-अलग मामलों में धन शोधन और भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं।

पश्चिम बंगालः सीबीआई ने 21 मार्च की बीरभूम हिंसा मामले में दो आरोपपत्र दाखिल किये

नयी दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता भादु शेख की हत्या और इसके बाद बीरभूम जिले के बोगतुई गांव में 21 मार्च को की गई कथित आगजनी में नौ लोगों की जलकर हुई मौत के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो अलग-अलग आरोपपत्र दाखिल किये हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने शेख की हत्या में दायर आरोपपत्र में चार लोगों को आरोपी बनाया है, जबकि तृणमूल कांग्रेस नेता अनारुल हुसैन समेत 18 लोगों को आगजनी के मामले में नामजद किया है।शेख की मौत के बाद बोगतुई गांव में गत 21 मार्च की रात बदले की भावना से लोगों की भीड़ ने घरों पर बम फेंका और उनमें आग लगा दी, जिससे महिलाओं और बच्चों सहित नौ लोगों की जलकर मौत हो गई। तृणमूल कांग्रेस के रामपुरहाट पंचायत नेता शेख पर उसी दिन शाम को बम से हमला करके उनकी हत्या कर दी गई थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद सीबीआई ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली थी। बोगतुई हिंसा और आगजनी से संबंधित अपने आरोप पत्र में संघीय जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि यह शेख की हत्या का 'सीधा नतीजा' था।

दो मौलवियों की हत्या करने वाले दोषी को सुनाई गई फांसी की सजा, पाकिस्तान के रास्ते अवैध रूप से ईरान में घुसा था

तेहरान। ईरान में एक प्रतिष्ठित शिया धर्मस्थल पर चाकू से हमला कर दो मौलवियों की हत्या के दोषी व्यक्ति को सोमवार सुबह फांसी की सजा दी गई। देश के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित खबर में यह जानकारी दी गई है। खबर के मुताबिक, ईरान के सर्वोच्च न्यायालय की ओर से हमले की जगह उत्तर-पूर्वी शहर मशहद में एक 'रिवोल्यूशनरी अदालत' द्वारा पहले सुनाए गए फैसले को बरकरार रखे जाने के बाद फांसी की सजा पर अमल किया गया। दोषी की पहचान अब्दुल लतीफ मोरादी के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि मोरादी ने तीन मौलवियों को चाकू मारा था, जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शहर की इमाम रजा दरगाह में हुए इस हमले के बाद कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई थी।शिया मुसलमानों के प्रमुख तीर्थ स्थल पर हिंसा का यह एक दुर्लभ मामला था। हालांकि, ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'तसनीम' ने कहा कि मोरादी एक उज्बेक नागरिक था, जिसने एक साल पहले पाकिस्तान के रास्ते अवैध रूप से ईरान में प्रवेश किया था। पुलिस ने हमले की वजह नहीं बताई थी। देश के तत्कालीन आंतरिक मंत्री अहमद वाहिदी ने इसे ''आतंकवादी हमले'' के रूप में वर्णित किया था और संकल्प जताया था कि ईरान अपराधियों और सभी ''तकफीरियों'' को नहीं बख्शेगा। ''तकफीरी'' सुन्नी चरमपंथियों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है, जो अन्य मुस्लिमों को काफिर मानते हैं। हमले में सहयोग देने के आरोप में चार अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था।

बांग्लादेश में बाढ़ का प्रकोप जारी, खाद्य सामग्री, पेयजल को लेकर चिंता बढ़ी

ढाका। बांग्लादेश में बाढ़ का प्रकोप सोमवार को भी जारी रहा और अधिकारियों को देश के विशाल उत्तरी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में बाढ़ के कारण बने आश्रय स्थलों में पेयजल और सूखे खाद्य पदार्थ पहुंचाने में मुश्किल आई। अधिकारियों और स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले सप्ताह मानसून शुरू होने के बाद से देश भर में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई। सरकार ने लोगों को निकालने में मदद के लिए शुक्रवार को सेना की मदद ली।एकट्टॅर टीवी स्टेशन ने बताया कि लाखों लोग बिजली आपूर्ति से वंचित हैं। समाचार एजेंसी 'यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश' के अनुसार, आपदा और राहत मामलों के कनिष्ठ मंत्री इनामुर रहमान ने कहा कि सबसे ज्यादा प्रभावित सुनामगंज और सिलहट जिलों में 100,000 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है और लगभग 40 लाख लोग इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं। देश की राजधानी ढाका में देश के बाढ़ पूर्वानुमान और चेतावनी केंद्र से रविवार को ताजा बयान में कहा गया है कि

उत्तरपूर्वी जिलों सुनामगंज और सिलहट में बाढ़ की स्थिति अगले 24 घंटों में और खराब हो सकती है। इसने कहा कि उत्तरी बांग्लादेश की एक प्रमुख नदी तीस्ता के खतरे से निशान से ऊपर बहने की आशंका है। देश के उत्तरी जिलों लालमोनिरहाट, कुरीग्राम, नीलफामरी, रंगपुर, गैबंधा, बोगरा, जमालपुर और सिराजगंज में भी स्थिति बिगड़ सकती है। अधिकारियों ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र से पानी कम होना शुरू हो गया है, लेकिन यह देश के मध्य क्षेत्र के लिए खतरा पैदा कर रहा है, जो बाढ़ के पानी के लिए दक्षिण में बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने का मार्ग है। मीडिया की खबरों में कहा गया है कि दूरदराज के इलाकों में बाढ़ से प्रभावित लोगों को पीने के पानी और भोजन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। गैर-लाभकारी विकास संगठन बीआरएसी के एक वरिष्ठ निदेशक अरिंजॉय धर ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए एक वीडियो में बाढ़ प्रभावितों के लिए खाद्य सामग्री वितरण सुनिश्चित करने में मदद मांगी।धर ने कहा कि उन्होंने सुनामगंज जिले में 5,000 परिवारों को खिलाने की योजना के तहत खाद्य सामग्री तैयार करने के लिए सोमवार को एक केंद्र खोला, लेकिन यह व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। बीआरएसी ने कहा कि वह अकेले आपातकालीन आपूर्ति के साथ लगभग 52,000 परिवारों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। देश में अचानक आई बाढ़ से उबरने के साथ ही भारी मानसूनी बारिश के बीच शुक्रवार से आई ताजा बाढ़ ने बांग्लादेश को तबाह कर दिया है।

इस देश में रोजाना हो रहे चार से पांच बलात्कार, परेशान सरकार ने की आपातकाल की घोषणा

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अधिकारियों ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन शोषण के मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर 'आपातकाल' घोषित करने का फैसला किया है। पंजाब के गृह मंत्री अता तरार ने रविवार को कहा कि प्रशासन को ''बलात्कार के मामलों से निपटने के लिए आपातकाल घोषित करने'' के वास्ते मजबूर होना पड़ा है। मंत्री ने कहा कि प्रांत में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन शोषण के मामलों में तेज वृद्धि समाज और सरकारी अधिकारियों के लिए एक गंभीर मुद्दा है।'डॉन' अखबार के मुताबिक पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, ''पंजाब में रोजाना बलात्कार के चार से पांच मामले सामने आ रहे हैं, जिसके चलते सरकार यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और

इस तरह के मामलों से निपटने के लिए विशेष उपायों पर विचार कर रही है।'' कानून मंत्री मलिक मुहम्मद अहमद खान की उपस्थिति में तरार ने कहा कि बलात्कार और कानून व्यवस्था पर कैबिनेट समिति द्वारा सभी मामलों की समीक्षा की जाएगी और ऐसी घटनाओं पर नजर रखने के लिए नागरिक संस्थाओं, महिला अधिकार संगठनों, शिक्षकों और वकीलों से भी परामर्श किया जाएगा। तरार ने अभिभावकों से अपने बच्चों को सुरक्षा के महत्व के बारे में बताने का भी आग्रह किया और कहा कि बच्चों को बिना निगरानी के अपने घरों में अकेला नहीं छोड़ा जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि कई मामलों में आरोपियों को हिरासत में लिया गया है और यौन उत्पीड़न के बारे में स्कूलों में छात्रों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बलात्कार की घटनाओं पर रोक के लिए सरकार ने विभिन्न मुहिम शुरू की है।

रूसी पत्रकार ने यूक्रेनी बच्चों के लिए अपना नोबेल पुरस्कार बेचा

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। रूस के पत्रकार दिमित्रि मुरातोव ने शांति के लिए मिले अपने नोबेल पुरस्कार की सोमवार रात नीलामी कर दी। मुरातोव नीलामी से मिलने वाली धनराशि यूक्रेन में युद्ध से विस्थापित हुए बच्चों की मदद के लिए सीधे यूनीसेफ को देंगे। अक्टूबर 2021 में स्वर्ण पदक से सम्मानित मुरातोव ने स्वतंत्र रूसी अखबार 'नोवाया गजट' की स्थापना की और वह मार्च में अखबार के बंद होने के समय इसके मुख्य संपादक थे। यूक्रेन पर रूस के हमले के मद्देनजर सार्वजनिक असंतोष को दबाने और पत्रकारों पर रूसी कार्रवाई के चलते यह अखबार बंद कर दिया गया था।मुरातोव ने पुरस्कार की नीलामी से मिली 5,00,000 डॉलर की नकद राशि धर्मार्थ के लिए दान करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस दान का उद्देश्य ''शरणार्थी बच्चों को भविष्य के लिए एक मौका देना है।'' मुरातोव ने एक साक्षात्कार में कहा कि वह खासतौर पर उन बच्चों के लिए चिंतित हैं, जो

यूक्रेन में संघर्ष के कारण अनाथ हो गए हैं।

उन्होंने कहा, ''हम उनका भविष्य लौटाना चाहते हैं।'' मुरातोव ने हेरीटेज ऑक्शंस द्वारा जारी वीडियो में कहा कि यह अहम है कि रूस के खिलाफ लगाए गए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से दुर्लभ बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल दवाएं और अस्थि मज्जा प्रतिरोपण जैसी मानवीय सहायता जरूरतमंदों तक पहुंचने से न रुके।नीलामी प्रक्रिया का संचालन करने वाली हेरीटेज ऑक्शंस इससे मिलने वाली धनराशि में कोई हिस्सा नहीं ले रही है। मुरातोव को पिछले साल फिलीपीन की पत्रकार मारिया रेसा के साथ संयुक्त रूप से शांति के नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था। उन्हें अपने-अपने देशों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति बनाए रखने के लिए किए गए संघर्षों के वास्ते सम्मानित किया गया था। मुरातोव 2014 में रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा जमाने और यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छेड़ने के बड़े आलोचक रहे हैं।

जब गोविंदा ने जाहिर की थी रेखा के साथ डेट पर जाने की इच्छा, एक्ट्रेस ने दिया था ऐसा रिस्पांस

बॉलीवुड की बेहद खूबसूरत अदाकारा रेखा जिनकी खुबसुरती के लोग आज भी दीवाने हुए रहते हैं। आज भी रेखा की अदाएं और उनकी सुंदरता लोगों के दिलों पर घर कर जाती हैं। वही एक्ट्रेस के नार्मल फैंस की तादाद तो लम्बी हैं ही साथ ही बॉलीवुड में भी कई सितारे रेखा के फैन हुए रहते हैं। एक समय था जब बॉलीवुड में रेखा के चाहने वालों की लाइन लगी रहती थी। वही रेखा के अफेयर के चर्चे तो फिल्मी जगत में शुरू से ही सुनने को मिलते थे। वही अभी भी ऐसा ही कुछ सुनने तो मिला हैं जब बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा ने रेखा के सामने डेट पर जाने की बात राखी थी। दरअसल रेखा को बच्चे से लेकर बूढ़ा तक हर कोई उन्हें पसंद करता है। सिमी ग्रेवाल के शो में बॉलीवुड सेलेब्स अपने दिल की बात खुलकर रखते नजर आते थे। वही इसी शो में एक बार जब गोविंदा और राकेश रोशन से पूछा गया था कि दुनियाभर में कोई एक ऐसा शख्स बताइए जिसके साथ आप डेट पर जाना चाहते हैं। गोविंदा और राकेश रोशन दोनों ने ही रेखा का नाम लिया था। वही अब इन दोनों के बायें की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा हैं।वही जब गोविंदा से ये सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा-मैं बहुत बड़ा फैन हूं रेखा जी का. राकेश रोशन ने भी रेखा को ही डेट पर जाने के लिए चुना था। वही सिमी ग्रेवाल के शो का पहला एपिसोड 1997 में ऑन एयर हुआ था। सिमी अपने शो में एंटरटेनमेंट, पॉलिटिक्स, और स्पोर्ट्स के सेलेब्स को बुलाती थीं। जहां वह उनसे उनके काम और पर्सनल लाइफ को लेकर बातचीत करती थीं। और उनसे कई तरह की राज भी खुलवा लिया करती थी।

साई पल्लवी ने अपने कश्मीरी पंडित-मॉब लिंचिंग वाले बयान पर दी सफाई, वीडियो शेयर कर कही ये बात

साउथ की फेमस एक्ट्रेस साई पल्लवी बीते कुछ समय से अपने एक बयान को लेकर विवादों में घिरी हुई हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में कश्मीरी पंडितों के नरसंहार और गाय की लिंचिंग पर विवादित बयान दिया था। वहीं, अब साई ने अपने बयान पर सफाई दी है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है दरअसल, साई पल्लवी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर खुद का एक वीडियो पोस्ट किया है। इस क्लिप में एक्ट्रेस अपने पुराने बयान को दोहराती नजर आ रही हैं, साथ ही अब उन्होंने ये साफ करने की कोशिश की है कि उनका ये कहने का मकसद सिर्फ इतना था कि किसी भी तरह की हिंसा गलत है। अपने इस चार मिनट के लंबे वीडियो में एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि वो मेडिकल की स्टूडेंट रही हैं, जहां उन्हें ये सिखाया गया है कि हर जान कीमती होती है। साई ने कहा, मैं यहां आप सभी से कुछ क्लैरिफाई करने के लिए जुड़ी हूं। मेरे ख्याल से यह पहली बार होगा जब मैं अपने दिल से कुछ भी बोलने से पहले दो बार सोचूंगी। क्योंकि मैं इस बात से चिंतित हूं कि मेरे शब्दों को गलत तरह से पेश किया गया है। मुझे माफ कर दीजिए अगर मैंने अपने विचारों को रखने में जरूरत से ज्यादा का समय लिया है तो। हाल के इंटरव्यू में मुझसे पूछा गया था कि मैं लेफ्ट विंग को सपोर्ट करती हूं या फिर राइट विंग को। तो मैंने वहां यही कहा था कि मैं न्यूट्रल हूं। और हमें पहले एक अच्छा इंसान बनना चाहिए। और उत्पीड़न का शिकार हुए लोगों को हर हाल में प्रोटेक्ट करने की आवश्यकता है। उन्होंने वीडियो में आगे कहा, जब मैंने द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखी तो मुझे उसके डायरेक्टर से बात करने का मौका मिला। मैं तो ये नरसंहार देखकर काफी परेशान हो गई थी और मैं इससे लोगों की पीढ़ियों के प्रभावित होने जैसी त्रासदी को कभी कमतर नहीं मानूंगी। यह कहने के बाद मैं कोरोना काल में हुई लिंचिंग का तो जिक्र नहीं कर सकती। मुझे याद है कि उन वीडियोज को देखने के बाद मैं कई दिनों तक सिहर उठी थी। मेरा मानना है कि हिंसा किसी भी रूप में गलत है और किसी भी धर्म के नाम पर हिंसा बहुत बड़ा पाप है। बता दें कि हाल ही में साई ने अपनी फिल्म विराट पर्वम के प्रमोशन के दौरान फिल्म द कश्मीर फाइल्स में दिखाए गए अत्याचार की तुलना मॉब लिंचिंग से की थी। इसी को लेकर खूब बवाल मचा साथ ही उनके खिलाफ केस तक दर्ज हो गया। सभी ने एक्ट्रेस के इस बयान का जमकर विरोध किया था। फिल्म की बात करें तो साई पल्लवी और राणा दग्गुबाती स्टारर विराट पर्वम 1990 के दशक के दौरान तेलंगाना में हुए नक्सल आंदोलन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक प्रेम कहानी है। फिल्म में बाहुबली में भल्लालदेव का किरदार निभाने वाले एक्टर नक्सल लीडर बने हैं जिससे गांव की एक लड़की को प्यार हो जाता है।

मलाइका के बेटे अरहान खान संग पार्टी करने निकले सैफ के शहजादे इब्राहिम, हॉट लड़कियों संग दिए पोज

बॉलीवुड में आए दिन पार्टी चलती रहतीं हैं, जो काफी सुर्खियां बटोरतीं हैं। बता दें, सेलेब्स के साथ-साथ उनके बच्चे भी आए दिन पार्टी के जश्न और दोस्तों के साथ सेलिब्रेशन में डूबे दिखाई देते हैं। जो इंटरनेट की लाइमलाइट बन जाती है। इसी बीच अब एक लेटेस्ट वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। दरअसल, वीकेंड पर सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान और मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान खान को देर रात पार्टी करते स्पॉट किया गया है। आपको बता दें, एक पैपराजी ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में इब्राहिम और अरहान खान को काफी सारे दोस्तों के साथ स्पॉट किया गया है। इस दौरान उनके दोस्त भी एक से बढ़कर एक लुक में दिखाई दे रहे थे। और ऐसे में सोशल मीडिया पर इब्राहिम और अरहान खान की दोस्तों के हॉट लुक के भी खूब चर्चे हो रहें हैं। बता दें कि इब्राहिम और अरहान बचपन से ही काफी अच्छे दोस्त हैं। अक्सर साथ में इन दोनों की फोटोज और वीडियो सामने आती रहती हैं। सामने आए इस वीडियो में इब्राहिम-अरहान का लुक काफी इम्प्रेसिव दिखाई दे रहा है। वीडियो में जहां इब्राहिम को ब्लैक टी-शर्ट में कैजुअल और कम्फर्टेबल लग रहें है तो वहीं अरहान खान ने एक ब्लैक प्रिंटेड शर्ट के साथ ब्लू बैगी जींस और व्हाइट स्नीकर्स पेयर किया था। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि मुबंई की बारिश के बीच ये दोनों ही स्टार्स किड्स लड़कियों के बीच पोज देते दिखाई दे रहें हैं। साथ ही बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब इब्राहिम और निर्वान यूं दोस्तों के साथ पार्टी करते स्पॉट हुए हैं बल्कि अक्सर ही ये लोग ऐसे मस्ती में डूबे दिखाई देते हैं। तो वहीं पिछले दिनों तो इब्राहिम श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी के साथ डिनर डेट पर स्पॉट किया गया था। डिनर डेट के साथ-साथ पार्टी करते भी दोनो को एक साथ स्पॉट किया गया था। जो उनकी फोटोज और वीडियो आग की तरह सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं। जिस पर लोगों ने अपने कई तरह के रिएक्शन भी दिए। दरअसल, मलाइका अरोड़ा और अरबाज खान के बेटे अरहान खान इन दिनों यूएस में पढ़ाई कर रहे हैं। तो वहीं इब्राहिम अपनी आने वाली डेब्यू फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की शूटिंग में बिजी हैं। इस समय इब्राहिम करण जौहर को उनकी आने वाली फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में उन्हें असिस्ट कर रहे हैं।

मलाइका अरोड़ा ने दिखाया अपना सुपर सिजलिंग लुक, हॉट बिकिनी पहने पानी में लगाई आग

बॉलीवुड की सुपर सिजलिंग एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा फिल्मी दुनिया से काफी समय से दूर हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर अपने फैंस को चकित करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं। वो अक्सर अपने ग्लैमरस फोटोज फैंस के लिए शेयर करती रहती हैं। इसी बीच मलाइका अरोड़ा ने एक बार फिर अपनी फोटो शेयर की है जो लोगों का ध्यान खींच रही है। मलाइका की लेटेस्ट बिकिनी पहने ये फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। आपको बता दें, मलाइका अरोड़ा ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर काफी बोल्ड फोटो शेयर की है। इस फोटो में वो बिकिनी पहने हुए काफी हॉट नजर आ रहीं हैं। इस फोटो में मलाइका समंदर के बीच गीले बालों के साथ खड़ी होकर पोज दे रहीं हैं। इस फोटो में मलाइका अरोड़ा ब्लैक एंड व्हाइट कलर की टाइगर प्रिंट बिकिनी पहने देखी जा सकती हैं। तो वहीं उन्होंने अपने गीले बालों को खुला छोड़ा हुआ है और हाथ में स्कूब डाइविंग के इक्विमेंट पकड़ रखी हैं। बता दें, इस फोटो को देखकर ये अंदाजा लगा सकते हैं कि मलाइका स्विमिंग के फुल मूड में हैं। मलाइका ने इस फोटो के साथ कैप्शन में लिखा है, श्स्विमश्। इस फोटो पर मलाइका के फैंस खूब लाइक करने के साथ दिल खोलकर कॉमेंट कर रहें हैं। कुछ ही मिनटों में मलाइका अरोड़ा की ये फोटो इंस्टाग्राम वर्ल्ड में आग की तरह फैल गई है। मलाइका की पोस्ट पर सबसे ज्यादा फायर इमोजीज देखने को मिल रहें हैं। मलाइका अरोड़ा की अदाएं देखकर फैंस काफी खुश दिखाई दे रहें हैं, जिसके लिए वो जानी भी जाती हैं। फैंस के अलावा सेलिब्रिटीज भी उनकी इस बोल्ड फोटो पर रिएक्शन दे रहें हैं। 48 साल की मलाइका अरोड़ा आज भी अपनी फिटनेस और खूबसूरती के लिए काफी फेमस हैं। वो साबित करती हैं कि उनकी उम्र सिर्फ एक नंबर ही है। फिलहाल, अभी वो तमाम रियलिटी शोज को जज करते नजर आती हैं। वहीं बात करें मलाइका अरोड़ा की निजी जिंदगी के बारे में तो वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में छाई रहती हैं। बता दें, इन दिनों एक्टर अर्जुन कपूर को डेट कर रहीं हैं और अक्सर उनके साथ नजर भी आती हैं। इसके साथ मलाइका अरोड़ा आए दिन अपने रिश्ते पर भी खुलकर बात करती दिखीं हैं। तो कभी अर्जुन कपूर के साथ वैकेशन पर जाती भी नजर आती हैं। वेल, आपको कैसा लगा मलाइका अरोड़ा का हॉट बिकिनी लुक, हमें कॉमेंट बॉक्स में जरुर बताएं।

जब शाहरुख खान को प्रोड्यूसर ने हीरो बनने से किया था इंकार, यहां मिलेगी शाहरुख के जीरो से हीरो बनने की पूरी कहानी

बॉलीवुड में अपना नाम बनाना और अपनी पहचान बनाने के लिए कितने खून पसीने बहाने पडते होंगे,ये उन सितारों को अच्छी तरह से पता होगा जो बॉलीवुड में आज किसी पहचान के मौहताज नहीं हैं। उन्ही सितारों में से एक हैं बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान। आज इंडस्ट्री में शाहरुख की जो पहचान हैं वो किसी परिचय की मौहताज नहीं हैं। आज उनके पास वो सारे शानो-शौकत की चीजें हैं। जिससे वो एक लक्जरियस लाइफ एन्जॉय कर सकते हैं। लेकिन वो कहते हैं की कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता हैं। और शाहरुख ने ये सक्सेस पाने के लिए बहुत कुछ खोया हैं,बहुत कुछ सहा हैं और बहुत कुछ देखा भी हैं। और उन सब समस्याओं सारी कठिनाइयों के बारे में हम आज के इस रिपोर्ट में बात करने जा रहे हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको रूबरू कराएंगे शाहरुख के जीरो से हीरो बनने की पूरी दास्तान। दरअसल स्ट्रगल की कहानी तो उस दिन से शुरू हो जाती हैं जब आपको पहला रिजेक्शन मिलता हैं। और वही से शुरू होता हैं असली स्ट्रगल। शाहरुख खान ने भी अपनी फिल्मी करियर क दौरान ऐसे ढेरो स्ट्रगल देखे हैं। जिससे सुनने के बाद बादशाह किंग के प्रति आपका रेस्पेक्ट और दोगुना हो जाएगा। जब आप एक मुकाम पर पहुंच जाते तो तब लोगों को अपनी रिजेक्शन की कहानी बताने में काफी उलझन होती होगी न? लेकिन शाहरुख खान ने खुद अपने करियर की रिजेक्शन और स्ट्रगल की पूरी कहानी बताई थी। दरअसल, एक इंटरव्यू में शाहरुख खान ने अपनी स्ट्रगल स्टोरी के बारे में बात करते हुए बताया था कि किस तरह के उन्हें रिजेक्शन का सामना करना पड़ा था. उन्होंने बताया कि-मुझे सिर्फ एक्टिंग का शौक था. जब मैं फिल्मों में काम मांगने जाता था तब मुझसे कहा जाता था कि- तुम्हारी हाइट छोटी है, तुम्हारी नाक खराब है, तुम बहुत तेज बोलते हो, तुम्हारा रंग भी सांवला है तुम हीरो नहीं बन सकोगे। इतना ही नहीं आगे शाहरुख ने यह भी बताया कि जब भी वो किसी बड़े आदमी से मिलते वो हमेशा मुझमे कोई ना कोई कमी निकाल देते थे। लेकिन मेरे दिल में वो जज्बा था कि मैं एक्टिंग करूंगा। और शायद वही जज्बा आज शाहरुख को बॉलीवुड का बादशाह बना दिया यहीं। वो कहते हैं न की कुछ अच्छा होने से पहले लाइफ में कुछ बहुत बुरा भी होता हैं। और शाहरुख की जिन्दगी में भी कुछ ऐसा ही हो रहा था। दौर कुछ ऐसा था की जब शाहरुख एक प्रोड्यूसर से काम मांगने गए थे उन्हें गोविंदा और सनी देओल का उदाहरण देकर उनसे कंपेयर किया गया था। इतना ही नहीं उन्हें यहां तक कह दिया गया था कि तुम बॉक्स ऑफिस पर बिल्कुल भी नहीं चलोगे। लेकिन अब यहां शाहरुख की फिल्म की ही एक डायलॉग याद आ रहा हैं की अगर किसी चीज को पुरे दिल से चाहो तो सारी कायनात उसे तुमसे मिलाने की ख्वाहिश में लग जाती हैं। और शायद अपने ही ऊपर शाहरुख ने ये डायलॉग डिलीवरी की हैं। क्यों की शाहरुख ने सपने को बहुत बड़े देख लिए थे। और उसे पूरा करने जब निकले तो रास्ते में काटें भी बहुत मिले। लेकिन कभी मंजिल से भटके नहीं। और आखिरकार यही हौसला और जूनून उन्हें आज ये शौहरत दिलाया हैं।जिसे वो पूरी शान के साथ जीते हैं।

दोस्ताना 2' में कार्तिक आर्यन को बाहर निकाल इस एक्टर ने की एंट्री, जाह्नवी कपूर संग करेंगे रोमांस

बॉलीवुड में साल 2019 में धर्मा प्रोडक्शन ने फिल्म दोस्ताना 2 का एलान किया था और इस फिल्म का काम भी शुरू हो गया था। लेकिन फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर काफी विवाद भी खड़ा हुआ था। इसी वजह से स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद भी अब तक इस कॉमेडी ड्रामा की शूटिंग शुरू नहीं हो पाई है। बता दें, कार्तिक आर्यन इस फिल्म में लीड रोल के रूप में नजर आने वाले थे, जिन्हें मेकर्स ने इस फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। तो वहीं, अब इस फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है, जिससे लग रहा है कि जल्द ही ये फिल्म एक बार फिर फ्लोर पर आ सकती है। दावा है कि इस फिल्म में अब कार्तिक आर्यन को रिप्लेस कर दूसरे एक्टर ने एंट्री ले ली है। जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि कार्तिक की जगह इस फिल्म में बॉलीवुड के जाने-माने स्टार अक्षय कुमार नजर आने वाले है। वहीं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर जल्द ही फिल्म 'दोस्ताना 2' में अक्षय कुमार के संग रोमांस करती हुई दिखाई देंगी। इस फिल्म से कार्तिक आर्यन का पत्ता कट जाने से अब जाह्नवी कपूर कार्तिक आर्यन के साथ नहीं बल्कि अक्षय कुमार के साथ फिल्म में रोमांस करती दिखाई देंगी। साथ ही ये भी बता दें कि स्टार कास्ट में बदलाव के बाद अब उम्मीद की जा रही है कि फिल्म की स्क्रिप्ट में भी बदलाव देखने को मिल सकते है। जो नई स्टार कास्ट को ध्यान में रखते हुए किए जाएंगे। शुरुआती दिनों में फिल्म दोस्ताना 2 कार्तिक आर्यन का चयन किया गया था। साथ ही इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी गई थी। लेकिन 30 दिनों की शूटिंग के बाद, कार्तिक आर्यन को इस फिल्म से बाहर निकाल दिया गया था। उस वक्त करण जौहर ने एक बयान दिया था, जिसमें कार्तिक को श्अनप्रोफेशनलश् बताया था।बता दें, अक्षय और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'दोस्ताना 2' साल 2008 में आई फिल्म दोस्ताना का सीक्वल है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और प्रियंका चोपड़ा ने अहम रोल निभाया था। इस फिल्म के गाने से लेकर सीन्स तक सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए थे। इस फिल्म ने आते ही बॉक्स ऑफिस को हिला दिया था, अब देखना होगा की बॉलीवुड फिल्मकार करण जौहर अपनी सुपरहिट फिल्म 'दोस्ताना' के सीक्वल 'दोस्ताना 2' से पहले वाला कमाल कर पाते है या नहीं। इसको लेकर आपकी क्या राय है हमें कॉमेंट बॉक्स में जरूर बताएं।

गलती से भी न रखें घर के इन कोनों में चाबियां, उलझनों में पड़ सकती है जिंदगी

हर घर में चाबियों का इस्तेमाल किया जाता है। अलमारी से लेकर गाड़ियों, में हर जगह चाबी का प्रयोग होता है। इसके अलावा कई लोगों ने घर में चाबियां रखने के कुछ स्थान बनाए गए हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि आप किसी गलत दिशा में चाबियां रख देते हैं तो आपको जिंदगी में कई तरह की उलझनों का सामना करना पड़ सकता है। कई लोग पूजा स्थान या फिर उसके आस-पास चाबियां रख देते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार यह सही नहीं है। चाबियों को घर से बाहर ले जाने और अंदर लाने के कारण उसमें गंदे हाथ लगते हैं। ऐसे में यदि आप पूजा स्थान पर गंदी चाबियां रखेंगे तो आपकी जिंदगी में इसका नेगेटिव असर होगा। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इन जगहों में भूलकर भी चाबियां नहीं रखनी चाहिए। तो चलिए जानते हैं इनके दिशाओं के बारे में...

किचन में न रखें चाबियां

किचन में चाबियां रखना बहुत ही अशुभ माना जाता है। वास्तु के अनुसार, किचन में भूलकर भी चाबियां नहीं रखनी चाहिए। किचन को बहुत ही पवित्र स्थान मना जाता है।

ड्राइंग रुम में भी न रखें चाबियां

ड्राइंग रुम में भी कभी भी चाबियां नहीं रखनी चाहिए। ड्राइंग रुम में चाबियां रखने से बाहर से आने वालों की नजर चाबियों पर पड़ती है, जिसके कारण इन्हें नजर लग सकती है। इसलिए वास्तु शास्त्र के अनुसार, ड्राइंग रुम में भी चाबियां नहीं रखनी चाहिए।

लॉबी में रखें चाबियां

चाबियां धातु से बनी हुई होती हैं। ऐसे में यदि आप घर में चाबी रखने के लिए कोई खास जगह तलाश कर रहे हैं तो आप इन्हें लॉबी में रख सकते हैं। आप चाबियों को पश्चिम दिशा की तरफ रख सकते हैं।

ऐसी चाबियां न करें इस्तेमाल

भगवान की तस्वीर वाली की रिंग आप चाबियों को रखने के लिए ऐसी की-रिंग का बिल्कुल इस्तेमाल न करें जिसमें भगवान की तस्वीर हो।

लकड़ी के हैंगर

वास्तु के अनुसार, लकड़ी का हैंगर बहुत ही शुभ माना जाता है। आप इसमें चाबियां रख सकते हैं।

आईने वाला की-हैंगर

यदि की-हैंगर में आईना लगा हुआ है तो आप उसका इस्तेमाल बिल्कुल भी न करें।

प्लास्टिक की-हैंगर

आप प्लास्टिक के की-हैंगर का भूलकर भी इस्तेमाल न करें। प्लास्टिक के की-हैंगर में भूलकर भी चाबियां न रखें।